चैत्र शुक्ल - 12 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 250 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 09-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 श्री खाटूश्याम जी में भव्य रूप से किए जाएं विकास कार्य : दीया कुमारी

6 अपने भीतर के महावीर को जगाएं

7 मोदी 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे : फडणवीस

फर्स्ट टेक

मैं 'मिस्टर इंडिया' नहीं : कंगना रनौत

शिमला (हिप्र)/भाषा। मंडी की भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के इस दावे का मजाक उड़ाया कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में कहीं नजर नहीं आती हैं। उन्होंने कहा कि वह ''मिस्टर इंडिया नहीं हैं जो अदृश्य हैं'' और यह कि वह (विक्रमादित्य सिंह) इस तरह के बयानों से लोगों को गुमराह कर रहे हैं। रनौत ने मंडी के बल्ह विधानसभा क्षेत्र में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विक्रमादित्य सिंह लोकसभा चुनाव में हार के बाद अब भी सदमे में हैं और इसलिए इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह अपने निर्वाचन क्षेत्र में अनुपस्थित रहने को लेकर कंगना रनौत की कई बार आलोचना कर चुके हैं।

तीन सदस्यीय अमेरिकी-रूसी दल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना

मॉस्को/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक तथा रूस के दो अंतरिक्ष यात्री एक रूसी अंतरिक्ष यान पर सवार होकर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन रवाना हुए। 'सोयुज बूस्टर' रॉकेट ने कजाकिस्तान स्थित बैकोनूर प्रक्षेपण केंद्र से तय समय पर उड़ान भरी, ताकि नासा के जॉनी किम और रूस के सर्गेई रिझिकोव एवं एलेक्सी जुब्रित्स्की को ले जाने वाले 'सोयुज एमएस-27' को कक्षा में स्थापित किया जा सके। ये तीनों यात्री अंतरिक्ष स्टेशन में करीब आठ महीने बिताएंगे। नासा ने कहा कि किम भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए चालक दल को तैयार करने और पृथ्वी पर लोगों को लाभ पहुंचाने में मददगार वैज्ञानिक अन्वेषण करेंगे एवं प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करेंगे। लॉस एंजिलिस के मूल निवासी किम अमेरिकी नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के इस महीने सऊदी अरब की यात्रा पर जाने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अप्रैल में सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के साथ-साथ प्रस्तावित भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर भी विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री संभवतः अप्रैल के तीसरे सप्ताह में सऊदी अरब की यात्रा करेंगे, जो करीब चार वर्षों के अंतराल के बाद इस खाड़ी देश की उनकी पहली यात्रा होगी।

09-04-2025 सूर्यास्त	10-04-2025 सूर्योदय
6:21 बजे	6:59 बजे

BSE	NSE
74,227.08	22,535.85
(+1,089.18)	(+374.25)

सोना	चांदी
9,334 रु.	103,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

परेशान आदमी

दालें आटा सब्जी मंहगी,
मंहगा होता प्रतिदिन सोना।
सेंसेक्स गिरा जाता नीचे,
टैरिफ का सब रोते रोना।
सदनों में मूल्यहीन चर्चा,
घायल हैं घर का हर कोना।
है आम आदमी परेशान,
अब और पड़ेगा क्या खोना।

भारतीय देश नहीं, दिलों को जीतना चाहते हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लिस्बन/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां मंगलवार को भारतीय शोधार्थियों से एक संवाद सत्र के दौरान कहा कि भारतीय देश नहीं, बल्कि दिलों को जीतना चाहते हैं।

राष्ट्रपति ने 'सम्पालिमो सेंटर फॉर अननोन' में भारतीय शोधार्थियों से कहा कि वे भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि बनें, क्योंकि अपने देश के नाम से उनकी पहचान होती है।

मुर्मू ने एक शोधार्थी के सवाल के जवाब में कहा, ''आप शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। आप अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे। आप एक अच्छे विद्वान बनेंगे, आप अर्थव्यवस्था और समाज में योगदान देंगे तथा यहां के नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। आगे बढ़ें और भारत को गौरवान्वित करें।''

शोधार्थियों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब देने के लिए राष्ट्रपति अपने स्थान पर खड़ी हुईं। उन्होंने कहा, ''मैं एक ऐसे देश में गई थी, जहां एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे पूछा कि क्या भारतीय दुनिया को जीतना चाहते हैं। मैंने कहा कि भारतीय देश को नहीं जीतना चाहते, वे दिलों को जीतना चाहते हैं।''

भारत में महिलाओं की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर, मुर्मू ने कहा कि सीताराम, लक्ष्मी नारायण कहना तथा लोगों को देवियों और सज्जनों कहकर संबोधित करना भारतीय संस्कृति में है।

विधेयकों को रोककर रखने पर

तमिलनाडु के राज्यपाल को न्यायालय की फटकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। द्रमुक नीत तमिलनाडु सरकार को मंगलवार को तब बड़ी जीत हासिल हुई जब उच्चतम न्यायालय ने राज्यपाल आर एन रवि द्वारा रोके गए और राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे गए 10 विधेयकों को मंजूरी दे दी, साथ ही राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों के लिए समयसीमा भी तय कर दी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, ''दस विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का राज्यपाल का कदम गैरकानूनी और मनमाना है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है।'' पीठ ने कहा, ''(संबंधित) 10 विधेयकों को उस तारीख से स्वीकृत माना जाएगा जिस दिन इन्हें राज्यपाल के समक्ष पुनः प्रस्तुत किया गया था।'' शीर्ष अदालत ने अपने तरह के पहले निर्देश में एक समयसीमा निर्धारित की, जिसके दायरे में राज्यपाल को राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर कार्रवाई करनी होगी।

न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा कार्य निर्वहन किए जाने को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा निर्धारित नहीं है।

इसने कहा, ''कोई निश्चित समयसीमा न होने के बावजूद, अनुच्छेद 200 को इस तरह से नहीं पढ़ा जा सकता कि यह राज्यपाल को उन विधेयकों पर कार्रवाई नहीं करने की अनुमति देता है, जिन्हें उनके सम्मुख संस्तुति के लिए प्रस्तुत किया गया है।'' समयसीमा तय करते हुए पीठ ने कहा कि किसी विधेयक पर मंजूरी रोककर उसे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से राष्ट्रपति के लिए सुरक्षित रखने की अधिकतम अवधि एक माह होगी।

इसने कहा कि यदि राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना सहमति को रोकने का फैसला किया है तो विधेयकों को तीन महीने के अंदर विधानसभा को लौटाया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा विधेयक को पुनः पारित किए जाने के बाद उसे पेश किए जाने पर राज्यपाल को एक महीने की अवधि में विधेयकों को मंजूरी देनी होगी।

सरकार नशामुक्त भारत अभियान के लिए सख्त कदम उठा रही है : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार नशामुक्त भारत अभियान के लिए सख्त कदम उठा रही है लेकिन इसका लक्ष्य हासिल करने के लिए समाज की सहभागिता भी जरूरी है ।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दो दिवसीय चिंतन शिविर के समापन के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि 15 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से नशामुक्त भारत अभियान के लिए जनता का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह विभाग नशे के कारोबार में लगे व्यक्तियों के विरुद्ध सख्ती से कदम उठा रहा है और कोकीन, हेरोईन तथा सूंघने वाले ड्रग जैसी रिकार्ड तोड़ मादक सामग्री जब्त की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि पहले मादक पदार्थों को जब्त करने के बाद जमा कर दिया जाता था, लेकिन अब उन्हें भटिटयों में डालकर नष्ट किया जा रहा है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल सरकारों के प्रयास से नशामुक्त भारत के अभियान का लक्ष्य नहीं हासिल होगा। उन्होंने कहा, 'यह अभियान केवल केंद्र या राज्य सरकारों के प्रयासों से लक्ष्य प्राप्त नहीं करेगा ।' उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य के लिए समाज की सहभागिता और सामाजिक तथा अध्यात्मिक संगठनों का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में भी सरकार ने कदम आगे बढ़ाए हैं और श्री श्री संत निरंकारी मिशन, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी समाज, गायत्री परिवार तथा इस्कॉन जैसे संगठनों के माध्यम से लोगों को नशे के विरूद्ध जाग्रत किया जा रहा है।

'नया भारत' अवसरों की भूमि : बिरला

नयी दिल्ली/एजेन्सी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि 'नये भारत' को अवसरों की भूमि के रूप में जाना जाता है जहां हर क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहे हैं।

उज्बेकिस्तान की यात्रा पर गये श्री बिरला ने समरकंद मेडिकल यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत जैसी राष्ट्रीय पहल से पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रचुर अवसर उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के नेटवर्क में सरकारी अस्पतालों के साथ ही निजी अस्पतालों के जुडने के साथ इस योजना में फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (एफएमजी) डॉक्टरों के लिए बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने और देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में योगदान करने के अपार अवसर मौजूद हैं। साथ ही भारत में चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास से छात्रों के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में काम करने के ढेरों अवसर भी उपलब्ध हैं। विदेश में अध्ययनरत भारतीय छात्रों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वे भारतीय मूल्यों और संस्कृति के दूत हैं। उन्होंने कहा कि हजारों मील दूर रहने के बावजूद, ये छात्र भारतीय मूल्यों से जुड़े हुए हैं और इनका प्रचार-प्रसार अपने मेजबान देशों में भी करते हैं।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम हुआ लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया। सरकार ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ''वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल, 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं।'' लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को प्रस्तावित कानून को अपनी मंजूरी दे दी थी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने विधेयक का समर्थन किया, वहीं विपक्षी दलों के 'इंडि' गठबंधन ने इसका विरोध किया।

कई मुस्लिम संगठनों और विपक्षी सांसदों ने कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने इसे पारदर्शिता बढ़ाने और पिछड़े मुसलमानों एवं समुदाय की महिलाओं के लिए सशक्तीकरण का कदम बताया है। वहीं, विपक्ष ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए कहा है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम मुसलमानों के अधिकारों का हनन करता है।

नया वक्फ कानून सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम सामाजिक न्याय की दिशा में उनकी सरकार का एक और ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि वक्फ पर पूर्ववर्ती कानून 2013 में भू-माफियाओं और मुस्लिम कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए बनाया गया था।

न्यूज18 के 'राइजिंग भारत शिखर समिट' को संबोधित करते हुए मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि संसद में इस मुद्दे पर हुई चर्चा में तुष्टीकरण की राजनीति देखने को मिली। उन्होंने कहा कि 1947 में देश के विभाजन के पीछे भी इसी तरह का रवैया था, जब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने 'कट्टरपंथी' विचार को बढ़ावा दिया, हालांकि आम मुसलमान इस विचार से सहमत नहीं थे। प्रधानमंत्री ने शाहबानो मामले का संदर्भ देते हुए कहा कि आम मुसलमानों और उनमें से गरीब व पिछड़े लोगों को केवल उपेक्षा, अशिक्षा और बेरोजगारी मिली, जबकि कट्टरपंथियों को खुश करने के लिए महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की बलि दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2013 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार द्वारा लागू किये गये वक्फ अधिनियम से यह भ्रम पैदा हुआ कि यह कानून संविधान से ऊपर है।

वक्फ संशोधन अधिनियम विवादः

केंद्र सरकार ने कैविएट याचिका दायर की

नयी दिल्ली/एजेन्सी। वक्फ संशोधन अधिनियम- 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के खिलाफ केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट याचिका या चेतावनी दायर की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अदालत सरकार का पक्ष जाने बगैर सुनवाई से पहले कोई आदेश पारित न करे। शीर्ष अदालत अगले सप्ताह वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार कर सकता है। कुछ वकीलों का अनुमान है कि इस मामले की सुनवाई 15 या 16 अप्रैल को हो सकती है। याचिकाओं और न्यायाधीशों की संरचना का विवरण देने वाली सूची अभी शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की जानी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा और फैयाज अहमद ने भी वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर की है। उन्होंने अपनी याचिकाओं में कहा है कि यह संशोधन मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त में बड़े पैमाने पर सरकारी हस्तक्षेप को बढ़ावा देता है। शीर्ष अदालत के समक्ष सभी याचिकाकर्ताओं ने इस अधिनियम पर रोक लगाने की गुहार के साथ ही संशोधन को असंवैधानिक घोषित करने सहित अन्य प्रार्थनाएं भी की हैं।

मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन

बहरामपुर (प. बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर कथित तौर पर पथराव किया गया और उसके वाहनों में आग लगा दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

एनआईए ने गोल्डी बराड़ से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मंगलवार को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली। कनाडा में रहने वाले बराड़ और अमेरिका निवासी गैंगस्टर रणदीप मलिक से जुड़े संदिग्धों और आरोपियों के परिसरों पर तलाशी दिसंबर 2024 में गुरुग्राम के सेक्टर-29 में वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब पर हुए ग्रेनेड हमलों के मामले में एजेंसी की जांच के सिलसिले में ली गई। एनआईए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, ''आज सुबह दोनों राज्यों के विभिन्न जिलों में आठ स्थानों पर ली गई तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।'' बयान के मुताबिक, बम विस्फोट की घटना के पीछे की साजिश को उजागर करने के लिए एनआईए द्वारा सामग्री की जांच की जा रही है, जिसमें हमलों में शामिल आरोपियों से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक जब्त किए गए थे।

जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के प्रति कटिबद्ध : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को श्रीनगर में केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि केन्द्र सरकार, जम्मू और कश्मीर में चिरस्थायी शांति स्थापित करने तथा आतंकवाद का पूरी तरह सफाया करने के प्रति कटिबद्ध है।

बैठक में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, सेना प्रमुख, कोर कमांडर (उत्तरी कमान), जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव , पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने केन्द्र शासित प्रदेश में चिरस्थायी शांति स्थापित करने और आतंकवाद का पूरी तरह सफाया करने का सरकार का संकल्प दोहराया और आतंकी घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय कमी के लिए सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराया और कहा कि सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू और कश्मीर में देश के शत्रुओं द्वारा पोषित आतंकवाद का पूरा इकोसिस्टम ध्वस्त हो गया है।

श्री शाह ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण के साथ प्रयास जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एरिया डोमिनेशन प्लान और जीरो टेरर प्लान के क्रियान्वयन पर मिशन मोड में काम करना चाहिए।

उन्होंने ने सभी एजेंसियों द्वारा समन्वित तरीके से काम करने पर ज़ोर दिया जिससे केन्द्र शासित प्रदेश में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हासिल की गई उपलब्धियों को बरकरार रखा जा सके और 'आतंकवाद मुक्त जम्मू और कश्मीर' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ज़रूरी सभी संसाधन उपलब्ध करा रही है।

मुद्रा ऋण असंख्य लोगों को अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने में बना रहा सक्षम : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक के गारंटी-मुक्त ऋण स्वीकृत किए गए हैं और इससे असंख्य लोगों को अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 10वीं वर्षगांठ पर अपने आवास पर इसके चुनिंदा लाभार्थियों से बातचीत के दौरान मोदी ने कहा कि इससे देश के युवाओं में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने में मदद मिली है। उन्हें नौकरी चाहने वालों के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आत्मविश्वास मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आठ अप्रैल, 2015 को सदस्य ऋण संस्थानों के माध्यम से गारंटी-मुक्त संस्थागत कर्ज उपलब्ध कराने के लिए पीएमएमवाई की शुरुआत की थी।

मोदी ने लोगों से कम से कम पांच से 10 अन्य लोगों को प्रेरित करने और उनका समर्थन करने का आग्रह किया, जिससे उनका आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता बढ़े। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि योजना के तहत 52 करोड़ ऋण वितरित किए जा चुके हैं, जो विश्व स्तर पर एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। उन्होंने कहा, '' यह विशेष रूप से उत्साहजनक है कि मुद्रा लाभार्थियों में से आधे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों से हैं और 70 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं।''

मोदी ने कहा, '' प्रत्येक मुद्रा ऋण अपने साथ सम्मान, स्वाभिमान और अवसर लेकर आता है। वित्तीय समावेश के अलावा इस योजना ने सामाजिक समावेश व आर्थिक आजादी भी सुनिश्चित की है।'' उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना में सबसे अधिक महिलाएं आगे आई हैं। महिलाओं ने सबसे अधिक आवेदन किए, सबसे अधिक ऋण हासिल किए और सबसे तेजी से इन कर्ज का भुगतान भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में बिना किसी गारंटी के नागरिकों को 33 लाख करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं।

महावीर जन्म कल्याणक पर कल कत्लखाने और मांस की दुकानें रहेंगी बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री तमिलनाड जैन महामंडल गत 25 वर्षो से तमिलनाडु के सभी 38 जिलों के जिल्ला कलेक्टरों को भगवान महावीर के जन्म कल्याणक पर तमिलनाडू में कत्ल कारखाने व मांस की दुकानें बंद रखने को कड़ाई से लागू करने हेतु पत्र द्वारा अपील भेजते हैं। महामंडल के चेयरमैन कैलाश कोठारी ने ये जानकारी देते हुए बताया कि सरकारी गज़ट के चलते महावीर जन्म कल्याणक पर पूरे तमिलनाडु में कत्ल कारखाने व मांस की दुकानें बंद रखने का आदेश रहता है, इसमें एडवोकेट विक्रम जैन का विशेष सहयोग रहता है। महामंडल के अध्यक्ष ललित खांटेड ने बताया कि महासंघ द्वारा आयोजित जन्म कल्याणक के दिन दादावाडी में चेन्नई के करीब 30 सेवा भावी मंडलों के सहयोग से सम्पूर्ण व्यवस्था महामंडल द्वारा की जायेगी।

सकल श्री जैन संघ से अपने प्रतिष्ठान बंद रखने व महासंघ के सभी कार्यक्रमों में पधारने की अपील की है। सचिव मनोज जैन ने बताया कि जन्म कल्याणक के दिन करीब 10000 लड्डू बांट कर सभी का मुँह मीठा कराया जाएगा।

नवकार मंत्र और नौ का अंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवकार शब्द 'नव' और 'कार' से बना है। 'नव' शब्द 'नवीनता' और 'नौ', दोनों का बोधक है। जिसकी आराधना से नवीनता और 9 के अंक जैसी अखण्डता की प्राप्ति हो, वह नवकार है। वस्तुतः नौ एक अखण्ड अंक है। नौ को किसी भी संख्या से अथवा किसी भी संख्या का नौ से गुणा करने पर जो गुणनफल प्राप्त होता है उसका योग या अन्तिम योग हमेशा नौ ही होता है। नवकार भी अखण्ड माना जाता है। नवकार में पाँच पदों में 108 गुण माने जाते हैं। 108' के अंकों का योग भी 9 ही होता है।

'प्रवचनसार प्रवचन' (प्रथम भाग) में क्षुल्लक मनोहर वर्णी ने लिखा कि प्राकृत व्याकरण के अनुसार णमोकार मंत्र के 18432 उच्चारण होते हैं। उन्होंने लिखा कि यह मंत्र गाथा (आर्या) रूप में है, सो किसी भी उच्चारण में गाथा के लक्षण का भंग भी नहीं होता है। उच्चारणों की इस संख्या (18432) का अंतिम योग (1+8+4+3+2 = 18; 1+8 = 9) नौ ही होता है। मेरे चर्चित अखण्ड णमोकार गीत की दूसरी पंक्ति में मैंने इस तथ्य को इस प्रकार संयोजित किया है– णमोकार परम सत्य का स्वरूप है। खण्ड–खण्ड काल का अखण्ड रूप है। काल तो कई प्रकार के खण्डों में बँटा है, लेकिन नवकार अखण्ड है। नवकार की साधना अखण्ड होने की साधना है, कालातीत होने की साधना है। एक अपेक्षा से नवकार में नौ पद माने जाते हैं– पाँच परमेष्ठी (अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु) के और चार ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप के। इनकी एकनिष्ठ आराधना से जीवन में नव निधियों को प्रकट किया जा सकता है। कुछ मनीषी नवकार की प्रशस्ति चूलिका को चार पदों से इस प्रकार अभिहित करते हैं– 1. एसो पंच णमोक्कारो, 2. सव्व पावप्पणासणो, 3. मंगलाणं च सव्वेसिं, 4. पढमं हवइ मंगलं।

इस प्रकार नवकार में दो दृष्टियों से नौ पद माने जाते हैं। प्रथम दृष्टि को ध्यान में रखकर वर्ष में दो बार नौ दिवसीय आयंबिल तप के साथ नवपद की आराधना की जाती है। जिसे बहुत ही मंगलकारी तथा विघ्न निवारक माना जाता है। नवकार के महामंत्र होने में एक कारण उसके साथ नौ का जुड़ा होना भी है। साधना में नवतत्व, नवतत्वों का ज्ञान और नवकार मंत्र का सम्बन्ध और महत्व सर्वविदित है। ज्योतिष में नवग्रह की पीड़ा की चर्चा होती है। यदि वास्तव में कोई नवग्रह की पीड़ा है तो उसका निवारण नवकार की साधना से हो जाता है। अनेक दृष्टियों से जैन संस्कृति और भारतीय संस्कृति में नौ के अंक का महत्व है। इस महत्व में नवकार की महिमा सर्वोपरि और अपरंपार है।

– डॉ. दिलीप धींग

बीजेएस तमिलनाडु के बढ़ते कदम, नए चैप्टर का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। भारतीय जैन संघटना तमिलनाडु के नए राज्याध्यक्ष कमल किशोर तातेड के नेतृत्व में 7 अप्रैल से तमिलनाडु की टीम पूर्व अध्यक्ष रमेश पटावरी, उपाध्यक्ष दीपक संचेती, महासचिव राजेश पोकरणा, रीजन अध्यक्ष जवाहरलाल आछा, सचिव अरविंद संकलेचा के साथ संगठन यात्रा में साउथ पार्लर रीजन की यात्रा करते हुए, मदुरानतंगम के महिला विंग के गठन के साथ तमिलनाडु में100 वे चैप्टर का गठन किया और उससे आगे बढ़ते हुए 101 चैप्टर के गठन के रूप में मदुरांतनगम पुरुष विंग का गठन किया गया। इसी यात्रा में तिरुवल्लुर की महिला विंग के गठन के साथ यह संख्या 102 चैप्टर गठित हुए। तमिलनाडु पुडुचेरी और केरल को मिलाकर 102 चैप्टर तीनों राज्यों को मिलाकर कार्यरत है। इसमें 42 महिला विंग और 60 पुरुषों की टीम के साथ जैन समाज के जरूरत के सभी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए हजारों कार्यकर्ता इसमें कार्यरत है।

डीएआईओ ने नेत्र देखभाल हेतु वीआईटी चेन्नई के साथ मिलाया हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नेत्र चिकित्सा में उत्कृष्टता के लिए समर्पित डॉ अग्रवाल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्टोमेट्री (डीएआईओ) नेत्र देखभाल एवं अनुसंधान को और बढ़ावा देने हेतु वीआईटी चेन्नई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जिसका उद्देश्य ऑप्टोमेट्री शिक्षा,अनुसंधान तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करना है जिससे अगली पीढ़ी के लिए नैदानिक उपचार विकसित करने नेत्र देखभाल नवाचार तथा नैदानिक परीक्षण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर डीएआईओ के डीन डॉ डी कर्पगम तथा वीआईटी चेन्नई के उप कुलपति डॉ टी त्यागराजन के साथ कई गणमान्य व्यक्ति, संकाय सदस्य तथा दोनों संस्थानों के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों संस्थानों के छात्र अनुसंधानों पर सहयोग करेंगे, संयुक्त अंतःविषय अध्ययन प्रकाशित करेंगे तथा नेत्र देखभाल वितरण और शिक्षा को बदलने के लिए एआई संचालित समाधानों के प्रोटोटाइप विकसित करेंगे। डॉ अग्रवाल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ऑप्टोमेट्री के डीन डॉक्टर डी कर्पगम ने इस अवसर पर कहा कि हम क्रॉस डिसीप्लिनरी रिसर्च की शक्ति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्यरत एक संस्थान के रूप में हम नेत्र देखभाल क्षेत्र में मौजूद वास्तविक समस्याओं को समझते हैं। उन्होंने कहा कि वह यह भी मानते हैं कि उनके पास अभिनव समाधान बनाने के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग विशेषज्ञताओं की कमी है इसलिए हम वीआईटी चेन्नई के साथ साझेदारी करने और उनके प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग छात्रों और शोध विद्वानों के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित है। इस पहल से डीएआईओ के 200 से अधिक ऑप्टोमेट्री छात्रों तथा वीआईटी के ही उतने संख्या में छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि इस संयुक्त पहल से हमें वास्तविक दुनिया के नेत्र देखभाल परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलेगा हमारे इन प्रयासों को दोनों संस्थानों के संकाय की एक संयुक्त टीम द्वारा निर्देशित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे हम इस क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे हम अपने काम के दीर्घकालिक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए व्यवसायीकरण नवाचार पाइपलाइनों और राजस्व साझाकरण के लिए स्पष्ट रणनीति विकसित करेंगे।

अध्यापक की फेंकी छड़ी लगने से बच्चे ने खोई आंख की रोशनी

चिक्कबल्लापुर/दक्षिण भारत। चिक्कबल्लापुर जिले में एक अध्यापक द्वारा फेंकी गई छड़ी लगने से एक छह वर्षीय बच्चे की दाईं आंख की रोशनी चली गई। यह घटना करीब एक साल पहले की है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इस घटना के संबंध में शिक्षक और पांच अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। उसने बताया कि घटना पिछले साल छह मार्च को जिले के चिंतामणि तालुका के एक सरकारी स्कूल की है, उस समय यशवंत पहली कक्षा में पढ़ता था। पुलिस के अनुसार शोर मचा रहे बच्चों को शांत करने के लिए शिक्षक ने उनमें से कुछ पर कथित रूप से छड़ी फेंकी जो गलती से यशवंत की दाईं आंख पर जा लगी। शुरू में, उसके माता–पिता को इस बात का आभास नहीं हुआ कि चोट का असर इतने लंबे समय तक रह सकता है। कुछ दिनों बाद जब उसकी हालत बिगड़ी तो बच्चे के माता–पिता उसे चिंतामणि में एक नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास ले गए, जिन्होंने उसे जिला अस्पताल में रेफर कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बच्चे की आंख की जांच करने के बाद पिछले साल दिसंबर में बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल में उसकी दो सर्जरी की गई, लेकिन उसके बाद भी जब सुधार नहीं हुआ तो परिजन उसे बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में ले गए। अधिकारी ने बताया कि वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि उसकी दाहिनी आंख की रोशनी चली गई है। इसके बाद, माता–पिता और स्थानीय लोगों ने रविवार शाम को बटलाहल्ली पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके उपरांत घटना के संबंध में आरोपी शिक्षक और खंड शिक्षा अधिकारी सहित पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

तंडियारपेट में अभिनिष्क्रमण दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा उत्तर चेन्नई के तत्वावधान में तेरापंथ ट्रस्ट भवन तण्डियारपेट में आचार्य भिक्षु का 266 वां अभिनिष्क्रमण दिवस बड़े उत्साह पूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कारक स्वरूपचंद दांती के द्वारा नमस्कार महामंत्र के जप से हुआ। तत्पश्चात कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण भिक्षु अष्टकम से हुआ। सभा के अध्यक्ष इन्द्रचंद डुंगरवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत किया और कहा कि सभा गठन के बाद का यह प्रथम कार्यक्रम है। आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी भाव अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। तंडियारपेट से मोक्षा गेलडा एवं खुशहाली बाफना ने भिक्षु की संक्षिप्त कहानी ज्ञानार्थीयो की जुबानी पर प्रस्तुति की। महासभा के आंचलिक प्रभारी तमिलनाडु उत्तर एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विमलचिप्पड ने नयी गठित सभा को महासभा की ओर से बधाईयां संप्रेषित करते हुए कहां कि उत्तरी चेन्नई महासभा के अनुरूप एवं गुरु इंगित से कार्य करती रहे एवं महासभा में अपना नाम करें। मुख्य वक्ता राकेश खटेड ने अभिनिष्क्रमण का अर्थ घर का त्याग एवं सुख सुविधा को छोड़ना बताया आगे आचार्य भिक्षु को ज्योति की उपमा देते हुए कहा कि ज्योति जब तक दिखती है प्रकाशित करती रहती है उसी तरह आचार्य भिक्षु भी सूर्य की तरह आज भी प्रकाशमान है। अपने वक्तव्य में कहा कि इतिहास हर घटना को दर्ज करती है अच्छी या बूरी हो सबसे छोटी इकाई सभा ने महासभा में आज अपना किर्तिमान स्थापित करने का प्रयास किया है।

इस अवसर पर तंडियारपेट ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी पूनम मांडोत, माधवारम ट्रस्ट के मेनेजिंग ट्रस्टी घीसूलाल बोहरा की गरिमामय उपस्थिति रही। नई सभा के अंतर्गत ज्ञानशाला ओसवाल गार्डन, तंडियारपेट, इएमआर, नयी धोबीपेट, पुरानी धोबीपेट एवं रायपुरम सहित छह ज्ञानशालाओं की आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस पर शानदार प्रस्तुतियां हुई। इसमें कुल 55 ज्ञानार्थियों ने प्रस्तुतियों की प्रस्तुति दी। सभी को पारितोषिक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 20 प्रशिक्षक की उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सभा के कोषाध्यक्ष कमलेश बाफना ने किया।

तमिल साहित्य के संदर्भ में नवकार मंत्र

डॉ. दिलीप धींग

पहली सदी के विख्यात तमिल नीति ग्रंथ तिरुकुरल पर विद्वानों ने अनेक व्याख्याएँ लिखी हैं। फिर भी अलिखित अधिक है। क्योंकि महान कवि तिरुवल्लुवर ने विराट दृष्टि के साथ न्यूनतम शब्दों में अधिकतम अर्थ तथा गहन भाव गुंफित किए हैं। जब नवकार मंत्र के संदर्भ में तिरुकुरल को देखते हैं तो पाते हैं कि इसमें अरिहंत और सिद्ध परमात्मा का वही स्वरूप बताया है, जो जैन आगम ग्रंथों में मिलता है। जैन ग्रंथों के अनुसार अरिहंत भगवान विशुद्ध ज्ञान (केवल ज्ञान) के धारक, अतिशय के रूप में देवताओं द्वारा बिछाए दिव्य पुष्पों पर गमन करने वाले, पंचेन्द्रिय विजेता और राग–द्वेष से मुक्त होते हैं। सिद्ध भगवान अष्ट गुणों से युक्त होते हैं। तिरुकुरल के प्रथम अध्याय 'कडवुळ वाळ्तु' (प्रभु स्तुति) में इन्हीं गुणों से युक्त परमात्मा की स्तुति की गई है। तिरुवल्लुवर कहते हैं कि ऐसी विशिष्ट अर्हताओं के स्वामी ईश्वर को वंदन करने से, उनके गुणों की आराधना करने से महान फल की प्राप्ति होती है। साधक भवसागर पार कर सकता है। प्रथम कुरल में ऐसे ही भगवान आदिनाथ का स्मरण किया गया है, जो सदेह अवस्था में अरिहंत थे और देह–मुक्त होने पर सिद्ध बन गए।

जैन दर्शन में पाँच इन्द्रियाँ उनके विषयों (स्पर्श, रस, गंध, रूप और शब्द) की बहुत चर्चा होती है। जहां अरिहंत पंचेन्द्रिय के पूर्ण विजेता है, वहीं आचार्य, उपाध्याय और साधु–साध्वी पंचेंद्रिय और उनके विषयों पर विजय प्राप्त करने की साधना करते हैं। यही बात तिरुकुरल के तीसरे अध्याय साधु की महिमा' में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में बताई गई है। इस प्रकार प्रथम और तृतीय अध्याय में नवकार मंत्र के पांचों ही पदों के गुणों की स्तुति की गई है। तिरुकुरल के अन्य अध्यायों में भी पाँच इन्द्रियों पर नियंत्रण के अनेक संदर्भ उपलब्ध हैं। अहिंसा, संयम, तप, क्षमा, करुणा जैसे पवित्र मूल्यों पर तो स्वतंत्र अध्याय ही हैं।

तिरुकुरल का दूसरा अध्याय वर्षा और कृषि पर है, जिसमें लोकमंगल की कामना की गई है। लोकोत्तर साधना और लोकमंगल का समन्वय तिरुकुरल की एक विरल विशेषता है। यही विशेषता नवकार मंत्र के साथ जुड़ी है। नवकार मंत्र के पांच पदों के बाद चूलिका में उसी समग्र मंगल भाव को पिरोते हुए कहा गया है– एसो पंच णमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो, मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं। पंच परमेष्ठी को किया गया नमस्कार सभी पापों को समाप्त करता है, तथा यह समस्त मंगलों में प्रथम मंगल है।

तमिल महाकाव्य जीवक चिंतामणि' (नौवीं सदी) के नायक जीवक जब एक मरणासन्न श्वान को देखते हैं तो करुणा व श्रद्धाभाव से उसे नवकार मंत्र सुनाते हैं। नवकार के प्रभाव से श्वान मरकर देवगति पाता है। नवकार के इस प्रसंग में लोकपक्ष के साथ ही प्राणी मात्र के कल्याण की कामना की गई है। तमिल के प्रथम महाकाव्य 'शिलप्पधिकारम' (दूसरी सदी) की अमर नायिका कण्णगी और नायक कोवलन अपने हर सुख–दुख में पंच परमेष्ठी (नवकार) की आराधना करते हैं।

तिरुकुरल के पहले अध्याय में जिस प्रकार पुष्पों पर गमन करने वाले भगवान की स्तुति की गई, उसी प्रकार सातवीं सदी के विद्वान पदुमनार द्वारा संकलित नालडियार' नीतिकाव्य के मंगलाचरण में भी जिनेन्द्र प्रभु को देवकृत फूलों पर विहार करने वाले बताते हुए उन्हें वंदन किया गया है। संस्कृत भाषा के भक्तामर स्तोत्र के 36वें श्लोक में भी तीर्थंकर भगवान के इस देवकृत अतिशय का वर्णन किया गया है। तमिल साहित्य में पाँच महाकाव्य की तरह पाँच लघु महाकाव्य भी प्रसिद्ध हैं। ये पाँचों ही लघु महाकाव्य (चूलामणि, नीलकेशी, उदयणकुमार, नागकुमार और यशोधरा) जैनों द्वारा रचित हैं। इनमें तथा परवर्ती तमिल साहित्य में नवकार महामंत्र और पंच परमेष्ठी के संदर्भ मंगलाचरण या अन्य रूपों में मिलते हैं।

तमिल साहित्य में प्राकृत भाषा के नवकार मंत्र का उल्लेख व उच्चारण, इन दोनों भाषाओं के चिरसंबंध व सौहार्द का गौरवशाली ऐतिहासिक तथ्य है। कन्नड़ साहित्य में प्राकृत भाषा के नवकार मंत्र का वैसा ही श्रद्धास्पद प्रवाह विद्यमान है। हिंदी, राजस्थानी, गुजराती, मराठी, बांग्ला आदि अन्य प्राचीन, अर्वाचीन और शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में भी पंच परमेष्ठी नमस्कार मंत्र के ऐसे ही सुमधुर स्वर गूंजते हैं। भाषाई सौहार्द का यह झरना आज भी बह रहा है। तमिल जैन बंधु प्रतिदिन प्राकृत भाषा के नवकार मंत्र का श्रद्धा से सुमिरन करते हैं। देश–दुनिया के अन्य भाषा भाषी जैन भी प्राकृत के नवकार का नित्य सुमिरन करते हैं। अनगिनत जैनेतर बंधुओं ने भी नवकार को अपने कंठ का हार बनाया और जीवन सजाया है। वस्तुतः लोकभाषा में रचा नवकार समस्त लोक का अलौकिक मंत्र है।

नवकार महामंत्र जाप से इतिहास रचने के लिए तैयार है जीतो

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क सहित अनेक स्थानों पर होगा आयोजन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा बुधवार को विश्व शांति हेतु विश्व के 108 देशों में सामूहिक जैन नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन कर रहा है जिसके तहत भारत के 6000 से अधिक केंद्रों और विश्व के 108 देशों में एक साथ, एक समय पर प्रातः 8:01 बजे से 9:36 बजे तक करोड़ों श्रद्धालु एक साथ नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप करेंगे। मुख्य समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे तथा सुबह 8 बजे से विशेष संबोधन देंगे।

जीतो के साउथ व नार्थ चैप्टर के प्रयासों से शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के सान्निध्य में मुख्य रूप से फ्रीडम पार्क में लगभग 51,000 से अधिक लोग इस महामंत्र जाप अनुष्ठान में शिरकत करेंगे। इसके साथ ही शहर भर में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला व संभवनाथ जैन मंदिर, भगवान महावीर रोड स्थित गणेश बाग, यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन, जयनगर स्थित धर्मनाथ जैन मंदिर, हनुमंतनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ भवन, राजराजेश्वरीनगर स्थित तेरापंथ भवन, विल्सन गार्डन स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर, विजयनगर स्थित अर्हम भवन, व्हाइटफील्ड स्थित ज्ञानोदय दिगम्बर मंदिर, सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग स्थानक, बसवनगुड़ी स्थित विमलनाथ जैन मंदिर के अलावा अन्य 20 धार्मिक स्थलों पर भी आयोजन किया जा रहा है । माइक्रो प्रिंट और पैक कम्पनी का मुख्य सौजन्यकर्ता व वन सोर्स व एमके सिल्क और साड़ियाँ सहसौजन्यकर्ता है।

निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव 12 को

14 को गुरुवानन्द स्वामीजी करेंगे गर्भगृह की पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी में सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मन्दिर परिसर पर हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 12 से 14 अप्रैल तक होने वाले धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियों जोरों पर चल रही है। मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका ने बताया कि 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः% बजे से अन्नदान एवं दोपहर 2 बजे से सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड का पाठ होगा जिसमें जयपुर के महेन्द्र स्वामी सुंदरकांड का वाचन करेंगे। सायं 4 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें भजन गायक लखापन्ना गिल, राजू खंडेलवाल मुम्बई, रामसुंदर बगड़िया, विमल पंवार मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। 13 अप्रैल को आमंत्रित सदस्य शिला पूजन व हवन करेंगे। सायं 4.30 बजे से सिद्धेश्वर गुरुदेव ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी अपने मुखारविंद से उपस्थित भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। सचिव मानित सोमानी ने बताया कि 14 अप्रैल को सुबह की बेला में गर्भगृह का पूजन ब्रह्मर्षि गुरुवानन्द स्वामी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। मंदिर का निर्माण कार्य देख रहे संजय शाह ने बताया कि मंदिर का निर्माण वर्ष 202% तक पूरा कर लिया जाएगा।

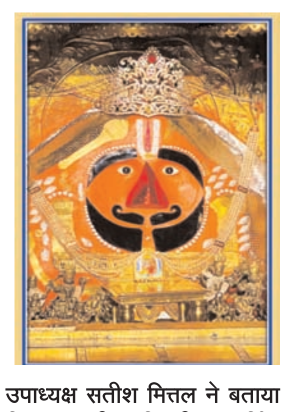

उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि इस तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्य

रामजन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बापूजी नगर में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके छाछ, पानका एवं अन्नदान वितरण किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

न्यायालय ने विधेयकों को रोककर रखने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल को लगाई फटकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसले में 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ रोककर रखने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि को कड़ी फटकार लगाई तथा राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की कार्रवाई के लिए एक समय सीमा तय की। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, दस विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने का राज्यपाल का कदम गैरकानूनी और मनमाना है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। पीठ ने कहा, (संबंधित) 10 विधेयकों को उस तारीख से स्वीकृत माना जाएगा जिस दिन इन्हें राज्यपाल के समक्ष पुन: प्रस्तुत किया गया था।

शीर्ष अदालत ने अपने तरह के पहले निर्देश में एक समय सीमा निर्धारित की, जिसके दायरे में राज्यपाल को राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर कार्रवाई करनी होगी। न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा अपने कार्य निर्वहन के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा निर्धारित नहीं है। उसने कहा, कोई निश्चित समय सीमा नहीं होने के बावजूद, अनुच्छेद 200 को इस तरह से नहीं पढ़ा जा सकता कि यह राज्यपाल को उन विधेयकों पर कार्रवाई नहीं करने की अनुमति देता है, जिन्हें उनके सम्मुख संस्तुति के लिए प्रस्तुत किया गया है।

समय सीमा तय करते हुए पीठ ने कहा कि किसी विधेयक पर मंजूरी रोककर उसे मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से राष्ट्रपति के लिए सुरक्षित रखने की अधिकतम अवधि एक माह होगी। उसने कहा कि यदि राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना सहमति को रोकने का फैसला किया है तो विधेयकों को तीन महीने के अंदर विधानसभा को लौटाया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा विधेयक को पुन: पारित किए जाने के बाद उसे पेश किए जाने पर राज्यपाल को एक महीने की अवधि में विधेयकों को मंजूरी देनी होगी।

समय सीमा तय की

पीठ ने आगाह किया कि समय सीमा का पालन नहीं होने पर अदालतों में न्यायिक समीक्षा होगी। शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु के राज्यपाल को पुन: भेजे गए विधेयकों को पारित माने जाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्रदत्त अधिकार का इस्तेमाल किया। पीठ ने कहा कि राज्यपाल को सावधानी बरतनी चाहिए कि राज्य विधानसभा के सामने अवरोध पैदा करके जनता की इच्छा का दमन नहीं हो। पीठ ने कहा, ''राज्य विधानसभा के सदस्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप राज्य की जनता द्वारा चुने जाने के नाते राज्य की जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं।

अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं होता और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता एवं सलाह पर अनिवार्य रूप से कार्रवाई करनी होती है। संविधान का अनुच्छेद 200 विधेयकों को स्वीकृति से संबंधित है।

पीठ ने कहा कि राज्यपाल सहमति को रोक नहीं सकते और 'पूर्ण वीटो' या 'आंशिक वीटो' (पॉकेट वीटो) की अवधारणा नहीं अपना सकते। उसने कहा कि राज्यपाल एक ही रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होते हैं– विधेयकों को स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना और राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखना। पीठ ने कहा कि वह विधेयक को दूसरी बार राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद उसे राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे जाने के पक्ष में नहीं है। उसने कहा कि राज्यपाल को दूसरे दौर में उनके समक्ष प्रस्तुत किए गए विधेयकों को मंजूरी देनी चाहिए, अपवाद केवल तब रहेगा जब दूसरे चरण में भेजा गया विधेयक पहले से अलग हो।

द्रमुक ने न्यायालय के फैसले को सराहा, कहा-राज्यपाल सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति नहीं रह गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने तमिलनाडु में राज्यपाल आरएन रवि द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखे गए 10 विधेयकों को मंजूरी देने और राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपालों के वास्ते समयसीमा तय करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का मंगलवार को स्वागत किया।

द्रमुक कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर फैसले का स्वागत किया। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएस भारती ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि शीर्ष अदालत के फैसले के अनुसार राज्यपाल आरएन रवि अब सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति नहीं रह गए हैं। भारती ने राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह आज रात राज भवन से चले जाते हैं तो यह माना जा सकता है कि वह एक स्वाभिमानी व्यक्ति हैं क्योंकि आजादी के बाद पिछले सात दशक में अदालत ने किसी भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसा फैसला नहीं सुनाया है।

द्रमुक नेता ने आरोप लगाया कि रवि ने विधेयकों को मंजूरी न देकर विपक्षी दल से भी ज्यादा विरोधी भूमिका निभाई और दुश्मन की तरह व्यवहार किया। यह पूछे जाने पर कि क्या फैसले के मद्देनजर मुख्यमंत्री राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होंगे या सरकार कुलपतियों की नियुक्ति करेगी, द्रमुक के राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिकवक्ता पी विल्सन ने कहा कि ये 10 विधेयक राज्यपाल को उन विश्वविद्यालयों से हटाने के लिए थे, जहां के वे कुलाधिपति थे।

विल्सन ने कहा कि ये 10 विधेयक इसलिए आवश्यक हो गए थे, क्योंकि राज्यपाल कुलपतियों की नियुक्ति सहित अन्य कार्यों में अड़चन डाल रहे थे। उन्होंने कहा कि रवि ने सजा माफी और लोक सेवा आयोग में नियुक्तियों से जुड़े मामलों को लटकाए रखा था, जिसके चलते सर्वोच्च न्यायालय में मामला दायर करना पड़ा। द्रमुक सांसद ने कहा, उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार इन विधेयकों को राज्यपाल द्वारा स्वीकृत माना जाएगा और इसलिए राज्यपाल आज से उस (कुलाधिपति) पद से मुक्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि विधेयकों के प्रावधानों के अनुसार तमिलनाडु सरकार की ओर से नामित व्यक्ति कुलाधिपति होगा। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए कि मुख्यमंत्री राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होंगे।

राज्यपाल/केंद्र सरकार के शीर्ष अदालत के फैसले को चुनौती देने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर विल्सन ने कहा, वे जो भी याचिका दायर करेंगे, हम उसका विरोध करेंगे। इस सवाल पर कि राष्ट्रपति ने तमिलनाडु को नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) आधारित दाखिले से छूट देने संबंधी विधेयक को मंजूरी देने से मना कर दिया था, विल्सन ने कहा कि मौजूदा फैसले का राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि फैसले में नीट विरोधी विधेयक के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है, लेकिन इससे पैदा संभावनाओं को देखते हुए राष्ट्रपति के उक्त विधेयक को मंजूरी न देने के निर्णय को चुनौती दी जा सकती है।

विल्सन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैं संविधान और लोकतंत्र को बरकरार रखने तथा राज्यों के अधिकारों एवं स्वायत्तता की पुष्टि करने वाले आज के ऐतिहासिक फैसले के लिए भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय का आभार जताता हूं। मैं इस मुकदमे में पैरवी की जिम्मेदारी मुझे सौंपने के लिए अपने नेता तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को धन्यवाद देता हूं। मैं इस मामले में उपस्थित होने और अपना बहुमूल्य समय एवं ऊर्जा देने के लिए अपने विद्वान साथियों-वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, अभिषेक मनु सिंघवी और राकेश द्विवेदी को धन्यवाद देता हूं।

विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति को लेकर न्यायालय के फैसले को स्टालिन ने 'ऐतिहासिक' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्यपाल आर एन रवि द्वारा राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर स्वीकृति रोककर रखने के मुद्दे पर मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और इसे 'ऐतिहासिक' तथा देश में सभी राज्य सरकारों की जीत बताया।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के तुरंत बाद स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि शीर्ष अदालत ने व्यवस्था दी है कि विधेयकों को अब राज्यपाल की ओर से स्वीकृत माना जा रहा है।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''हम उच्चतम न्यायालय के आज के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हैं और धन्यवाद देते हैं जिसमें राज्य विधायिका के विधायी अधिकारों की पुष्टि की गई है तथा विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत राज्यपालों की ओर से प्रगतिशील विधायी सुधारों को रोकने की प्रवृत्ति पर विराम लगाया गया है।''

इससे पहले न्यायालय ने रवि को फटकार लगाते हुए कहा था कि राष्ट्रपति के विचारार्थ 10 विधेयकों को सुरक्षित रखना संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन, गैरकानूनी और मनमाना है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर अनिवार्य रूप से कार्य करना होता है।

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि विधानसभा द्वारा पारित किए जाने के बाद राज्यपाल के पास भेजे गए कई विधेयकों को उन्होंने लौटा दिया था। उन्हें फिर से पारित किया गया और फिर से उनके पास भेजा गया।

स्टालिन ने कहा, संविधान के अनुसार राज्यपाल को दूसरी बार पारित विधेयक को स्वीकृति देना अनिवार्य है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया...वह देरी भी कर रहे थे..। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय गई। उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार के तर्कों को स्वीकार किया और ऐतिहासिक फैसला सुनाया कि इसे राज्यपाल द्वारा सहमति देने के रूप में माना जाना चाहिए।

स्टालिन ने कहा, ''यह फैसला केवल तमिलनाडु की ही नहीं, बल्कि भारत की सभी राज्य सरकारों की जीत है।'' तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार और राज्यपाल के बीच कई मुद्दों पर गतिरोध रहा है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा था कि राज्यपाल सहमति को रोककर पूर्ण वीटो' या आंशिक वीटो' (पॉकेट वीटो) की अवधारणा को नहीं अपना सकते।

तमिलनाडु के लिए केंद्र का आवंटन : अन्नामलाई ने चिदंबरम पर पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम पर निशाना साधा है, जिन्होंने केंद्र द्वारा तमिलनाडु के लिए किए गए आवंटन पर सवाल उठाए थे।

अन्नामलाई ने कहा कि 2014-15 और 2025 के बीच राज्य को 6,21,938 करोड़ रुपये मिले, जो राज्य के आवंटन में 307 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चिदंबरम को यह स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दिया कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज बढ़ रहा है, जो हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में रिकॉर्ड समय में 4 हजार अरब डॉलर के करीब पहुंच रहा है। भारत को 2007 तक इंतजार करना पड़ा, क्योंकि कांग्रेस को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने में 60 साल लग गए। भाजपा नेता ने कहा कि चिदंबरम को लगता है कि रेलवे बजट में कई गुना वृद्धि होना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा, 2009 से 2014 के बीच तमिलनाडु के रेलवे के लिए औसत बजट आवंटन 900 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आवंटन 6,626 करोड़ रुपये है। इस राशि का मतलब है कि रेलवे के लिए आवंटन जिस चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से किया गया है वह 20 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, 2013-14 में भारतीय रेलवे के लिए पूंजीगत व्यय 45,980 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर 2.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्या जीडीपी में वार्षिक वृद्धि, पूंजीगत व्यय में इस वृद्धि से जुड़ी है चिदंबरम साहब? अन्नामलाई ने कहा कि 2004 से 2013-14 के बीच तमिलनाडु को केंद्र सरकार से 1,52,902 करोड़ रुपये का अनुदान मिला, वहीं 2014-15 और 2025 के बीच, तमिलनाडु को 6,21,938 करोड़ रुपये मिले, जिससे पता चलता है कि राज्य के आवंटन में 307 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भाजपा नेता ने कहा कि चिदंबरम अभी भी भारत में डिजिटल भुगतान की सफलता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसके बारे में उनका दृढ़ विश्वास है कि यह ग्रामीण भारत में कभी भी सफल नहीं हो पाएगा। गत छह अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तमिलनाडु और उसके विकास के लिए विस्तृत आवंटन के बाद, चिदंबरम ने एक्स' पर लिखा, माननीय प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री लगातार कहते हैं कि उन्होंने 2014-24 में तमिलनाडु को 2004-14 की तुलना में अधिक धन दिया है।

'नीट' पर द्रमुक सरकार की बैठक एक 'नाटक' है, अन्नाद्रमुक शामिल नहीं होगी : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार द्वारा 'नीट' मामले पर नौ अप्रैल को बुलाई गई बैठक केवल एक 'ड्रामा' है और इससे कोई मकसद हल नहीं होगा क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा इसे रद्द' न करवा पाने से लोगों में आक्रोश है। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं होगी।

विपक्ष के नेता ने कहा कि उनकी पार्टी इस बैठक में भाग नहीं लेगी, जो केंद्र द्वारा तमिलनाडु के नीट विरोधी विधानसभा विधेयक पर सहमति देने से इनकार करने के मद्देनजर बुलाई गई है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने चार अप्रैल को बताया था कि राज्य के लिए नीट परीक्षा से छूट की मांग करने वाला विधेयक अस्वीकार कर दिया गया है। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया था। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में पलानीस्वामी ने कहा कि स्टालिन और उनके बेटे एंव उपमुख्यमंत्री उदयनिधि ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले नीट' परीक्षा को खत्म कराने का झूठा वादा किया था।

उन्होंने दावा किया था कि वह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म कराने का 'राज' जानते हैं और द्रमुक सरकार बनने के बाद पहला हस्ताक्षर इसी संबंध में किया जाएगा। पलानीस्वामी ने हालांकि यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में घोषणा की थी कि राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजे गए विधेयक को अस्वीकार कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने द्रमुक के खिलाफ जनता के गुस्से और विरोध से निपटने के लिए बैठक बुलाई है, जिसने चार साल में नीट को रद्द करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया है और 2026 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जहां सत्तारूढ़ दल को लोगों का सामना करना है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बुधवार को होने वाली इस बैठक से कोई हल नहीं निकलने वाला है। यह एक ड्रामा है। इसलिए अन्नाद्रमुक विधायक दल के नेताओं की बैठक में शामिल नहीं होगी।''

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वरिष्ठ अधिवक्ता और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के राज्यसभा सदस्य पी. विल्सन का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

साबरमती आश्रम में बेहोश हुए पी. चिदंबरम, पुत्र ने कहा : वह ठीक हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/अहमदाबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम यहां पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों का कहना है कि संभवत: गर्मी के कारण ऐसा हुआ है। उनके पुत्र एवं लोकसभा सदस्य कार्ति चिदंबरम ने कहा कि उनके पिता की हालत ठीक है और चिकित्सक उनकी जांच कर रहे हैं। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम (79) पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के बाद साबरमती आश्रम में आयोजित भजन संध्या के लिए पहुंचे थे, जहां वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। पार्टी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एंबुलेस के माध्यम से उन्हें अस्पताल पहुंचाया। कार्ति चिदंबरम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मेरे पिता की हालत ठीक है। चिकित्सक उनकी जांच कर रहे हैं।

घरेलू गैस की कीमतों में बढ़ोतरी पर स्टालिन का केंद्र पर हमला, तत्काल वापसी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने घरेलू रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार को परपीड़क करार देते हुए तीखा हमला बोला है और रसोई गैस की मूल्य वृद्धि को तुरंत वापस लेने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने एक तमिल कहावत का हवाला देते हुए कहा, अगर कोई मदद न करे तो कम से कम परेशानी भी नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कहावत केंद्र की परपीड़क भाजपा सरकार पर पूरी तरह लागू होती है।

स्टालिन ने कहा कि कीमतों में वृद्धि जनता के जले पर नमक छिड़कने जैसी है और भाजपा के लिए यह एक आदत बन गई है कि वह पहले कीमतों में भारी बढ़ोतरी करती है और फिर चुनाव से पहले थोड़ी राहत देकर नाटक करती है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, केंद्र सरकार को देश में कहीं भी चुनाव का इंतजार किए बिना तुरंत इस मूल्य वृद्धि को वापस लेना चाहिए। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत सात अप्रैल 2025 को पूरे भारत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की दर से बढ़ा दी गई, जबकि सीएनजी की कीमत में एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाया है।

विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति को लेकर न्यायालय का फैसला 'ऐतिहासिक' : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा स्वीकृति रोककर रखने के मुद्दे पर मंगलवार को उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया तथा इसे 'ऐतिहासिक' एवं सभी राज्य सरकारों की जीत बताया। उच्चतम न्यायालय के आदेश के तुरंत बाद स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि शीर्ष अदालत ने व्यवस्था दी है कि विधेयकों को अब राज्यपाल की ओर से स्वीकृत माना जाएगा। उच्चतम न्यायालय के 'ऐतिहासिक' फैसले की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा,तमिलनाडु की कानूनी लड़ाई ने एक बार फिर पूरे देश को रोशनी दिखायी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ 10 विधेयकों को रोककर रखने का कार्य अवैध और कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है।

उदयनिधि ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,महत्वपूर्ण बात यह है कि न्यायालय ने यह भी माना है कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक मंजूरी रोक कर नहीं रख सकते हैं और उसने एक समय सीमा तय की है 'एक से तीन महीने तक' जिसके भीतर राज्यपालों को विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करनी चाहिए। स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पोस्ट में कहा, हमारे माननीय मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बार फिर राज्य के अधिकारों की रक्षा करने और देश पर एकल ढांचा थोपने के प्रयासों का विरोध करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के राज्यसभा सदस्य पी. विल्सन ने दावा किया कि अब 10 विधेयकों के प्रभावी होने के साथ ही राज्य सरकार द्वारा नामित व्यक्ति राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालय का कुलाधिपति बनेगा। विल्सन ने यहां सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, यह एक ऐतिहासिक फैसला है। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि 10 विधेयक प्रभावी होंगे। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री ने सभी राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की है।

विल्सन ने इससे पहले स्टालिन से मुलाकात की थी। नवंबर 2023 में, तमिलनाडु विधानसभा ने राज्यपाल रवि द्वारा लौटाए गए दस विधेयकों को फिर पारित किया था, जिसमें चेन्नई के पास भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए एक अलग सिद्ध चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना का विधेयक भी शामिल था और जिसके कुलाधिपति मुख्यमंत्री होंगे।

सीआरपीएफ ने संभाला अभिनेता से नेता बने विजय की सुरक्षा का जिम्मा

चेन्नई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा ने अभिनेता और तमिझागा वेत्री कषगम पार्टी के अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय की सुरक्षा का जिम्मा संभाल लिया। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई खतरे की धारणा संबंधी रिपोर्ट के बाद फरवरी में विजय को वाई श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की थी। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा ने हाल ही में यह जिम्मेदारी संभाल ली है। सूत्रों के मुताबिक, 50 वर्षीय विजय के साथ तमिलनाडु में यात्रा के दौरान सीआरपीएफ के सात से आठ सशस्त्र कमांडो तैनात रहेंगे। विजय ने पिछले वर्ष फरवरी में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाई थी। पार्टी की योजना 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने की है।

अन्नाद्रमुक विधायकों ने मुद्दे उठाने से रोकने पर विधानसभा से बहिर्गमन किया

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव के पलानीस्वामी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के सदस्यों को तमिलनाडु विधानसभा में लोक महत्व के मुद्दे उठाने का मौका नहीं दिया गया और इसके विरोध में उन्होंने सदन से बहिर्गमन किया। काले रंग के परिधान में आए विधायक मुद्दे उठाने से रोके जाने के विरोध में पलानीस्वामी के साथ सदन से बहिर्गमन कर गए। बाद में सदन के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने कहा कि हाल में जब अन्नाद्रमुक (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सदस्य डॉ सी विजयभास्कर और एस एस अग्रि कृष्णमूर्ति ने अलग-अलग महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए तो उनके भाषणों का सीधा प्रसारण नहीं किया गया।

पलानीस्वामी ने पूछा, जब भी हमारे सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दे उठाते हैं, तो उनके भाषणों का प्रसारण रोक क्यों दिया जाता है, लेकिन सत्तारूढ़ द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के सदस्यों और उनके सहयोगियों के भाषणों का सीधा प्रसारण किया जाता है। यह पक्षपात क्यों हो रहा है? विधानसभा में, अन्नाद्रमुक विधायकों के बहिर्गमन करने के बाद, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की, ''मुझे खुशी है कि वे भगवा नहीं बल्कि काली कमीज पहनकर आए।''

नशे में धुत उस्मान ने पैदल यात्रियों और वाहनों को मारी टक्कर, तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के एक भीड़ भाड़ इलाके में सोमवार रात नशे में धुत एक व्यक्ति ने तेज गति से वाहन चलाते हुए कई पैदल यात्रियों और वाहनों को टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वाहन को कथित रूप से नशे में धुत एक फैक्ट्री मालिक और कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष उस्मान खान चला रहा था। कांग्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि पार्टी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे पार्टी से निकाल दिया और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया है। इस बीच, स्थानीय लोग नाहरगढ़ थाने में एकत्र हुए और पीड़ित परिवार के सदस्यों को आर्थिक मुआवजा, नौकरी और अन्य मदद देने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए चारदीवारी वाले पुराने शहर में सड़कें अवरुद्ध की। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने संवाददाताओं से कहा, भाजपा और सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। कांग्रेस पदाधिकारी और कांग्रेस विधायक अमीन कागजी के करीबी सहयोगी ने एमआई रोड से नाहरगढ़ रोड तक लोगों पर कार चढ़ा दी। यह संभव है कि उसने जानबूझकर हमारे लोगों को चोट पहुंचाई हो। तीन लोगों की मौत हो गई और कुछ लोग अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, पीड़ितों को मुआवजा मिलेगा और आरोपी को कानून के मुताबिक सख्त सजा दी जाएगी। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 'एक्स' पर लिखा,जयपुर में एक कार चालक द्वारा तेज रफ़्तार में कई लोगों को कुचलने की घटना अत्यंत दु:खद और दुर्भाग्यपूर्ण है। दुर्घटना में अपनों को खोने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। नशे की हालत में ऐसे कुकृत्य करने वाले अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह घटना सोमवार रात को हुई और अनियंत्रित कार एमआई रोड से नाहरगढ़ पुलिस थाना इलाके की संकरी गलियों में लगभग सात किलोमीटर तक दौड़ती रही। इस दौरान इस वाहन ने कई लोगों को टक्कर मारी और खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया। हालांकि बाद में वाहन को रोककर चालक को पकड़ लिया गया। अतिरिक्त पुलिस

उपायुक्त बजरंग सिंह शेखावत ने कहा कि एसयूवी को शास्त्री नगर की राणा कॉलोनी का रहने वाला उस्मान खान (62) चला रहा था और घटना के समय नशे में था। शेखावत ने कहा, उसका एसयूवी पर नियंत्रण नहीं रहा और वह नाहरगढ़ थाने के पास लगभग 500 मीटर तक जो भी सामने आया, उसको टक्कर मारता चला गया। पुलिस ने बताया कि कार चालक ने पहले संतोषी माता मंदिर के पास एक स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क पर गिरे लोगों को कुचलते हुए आगे निकल गया। रास्ते में कई लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी। कार थाने के बाहर खड़े वाहनों से भी टकराई।

पुलिस और स्थानीय लोगों ने कार को तब रोका जब वह मुख्य दुर्घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर एक संकरी गली में फंस गई। कार चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया।

हादसे में घायल हुए लोगों में वीरेंद्र सिंह (48), ममता कंवर (50), मोनेश सोनी (28), मोहम्मद जलालुद्दीन (44), दीपिका सैनी (17), विजय नारायण (65), जेबुन्निशा (50), अंशिका (24) और अवधेश पारीक (37) शामिल हैं। सभी को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने ममता कंवर और अवधेश पारीक को मृत घोषित कर दिया। मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर है और उन्हें एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि उस्मान खान विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में लोहे के बेड बनाने वाली फैक्ट्री का मालिक है।

मेडिकल जांच में पुष्टि हुई है कि घटना के समय वह काफी नशे में था। पीड़िता ममता कंवर के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घटना के बाद इलाके में रोष फैल गया और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नाहरगढ़ रोड और आसपास के इलाकों में चार थानों की पुलिस तैनात की गई।

भाजपा ने आहूजा को प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने अलवर स्थित एक मंदिर के 'शुद्धिकरण' को लेकर विवाद में घिरे पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर उन्हें 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है और तीन दिन में जवाब मांगा है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने मंगलवार को आहूजा को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया। इसमें उन्होंने लिखा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार आपको तुरंत प्रभाव से भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया जाता है।

नोटिस के अनुसार, आहूजा इन आरोपों पर कोई स्पष्टीकरण देना चाहें तो तीन दिन में दे सकते हैं जिसके बाद उनके खिलाफ तदनुसार अग्रिम अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। इसमें यह भी लिखा गया है कि इस मामले में आहूजा के बयान व कृत्य से पार्टी की छवि धूमिल हुई है और उनका कृत्य घोर अनुशासनहीनता की परिधि में आता है। आहूजा ने सोमवार को अलवर के राम मंदिर में गंगाजल छिड़ककर 'शुद्धिकरण' किया जहां एक दिन पहले हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के नेता टीकाराम जूली ने भाग लिया था।

भाजपा नेता के अनुसार, कांग्रेस नेताओं को ऐसे समारोहों में शामिल होने का कोई 'नैतिक अधिकार' नहीं है, क्योंकि उनके पार्टी आलाकमान ने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया था और पिछले साल अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का 'बहिष्कार' किया था। उन्होंने दावा किया कि उनके कृत्य में दलित वाला कोई मामला नहीं था। लेकिन अपने इस कृत्य को लेकर आहूजा कांग्रेस पार्टी के निशाने पर आ गए। पार्टी ने भाजपा नेता के बयान को 'दलित विरोधी मानसिकता का नमूना बताया है।'

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा नेता की आलोचना करते हुए कहा,भाजपा नेता आहूजा द्वारा नेता प्रतिपक्ष जूली के मंदिर जाने के बाद गंगाजल छिड़कने की घटना दलितों के प्रति भाजपा की दुर्भावना को दर्शाती है। 21वीं सदी में ऐसी संकीर्ण मानसिकता एक सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। इसकी जितने कड़े शब्दों में निंदा की जाए वह कम है।

राज्य में अनेक जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आहूजा के बयान व कृत्य के विरोध में प्रदर्शन किया। कई जगह आहूजा का पुतला भी फूंका गया। दलित नेता जूली अलवर (ग्रामीण) सीट से कांग्रेस विधायक हैं, जबकि आहूजा अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के पूर्व विधायक हैं।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी का निधन

जयपुर। सिरोही जिले के आबूरोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का मंगलवार को निधन हो गया। विश्वविद्यालय के सूत्रों के अनुसार, वह 101 साल की थीं।राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के देहावसान का समाचार सुनकर मन अत्यंत दुखी है। उनका देवलोकगमन आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है।

'भीषण गर्मी का दौर अभी जारी रहेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर अभी दो तीन दिन जारी रहेगा, हालांकि उसके बाद आंधी व हल्की बारिश से इसमें कुछ राहत मिल सकती है। विभाग के अनुसार इस समय जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, कोटा जिलों में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

राज्य के शेष अधिकतर भागों में भी अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री के बीच है और यह तापमान सामान्य से 3-8 डिग्री ऊपर है।

सोमवार को बाड़मेर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान, 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में चल रही तीव्र 'लू' और गर्म रात्रि का दौर आगामी 48 घंटों के दौरान जारी रहने की पूरी संभावना है। वहीं 10-11 अप्रैल से एक नये पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में बादल गरजने, आंधी आने और हल्की बारिश होने से तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट हो सकती है।

श्री खाटूश्याम जी में भव्य रूप से किए जाएं विकास कार्य : दीया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में पर्यटन भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। दीया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत सीकर में खाटू श्याम मंदिर में विकास कार्य शीघ्र शुरू करवाए जाएं। उन्होंने इस सम्बन्ध में एक बैठक खाटू श्याम जी में ही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि धार्मिक आस्था के केंद्र खाटू श्याम जी में भव्य रूप से विकास कार्य करवाए जाएं। उन्होंने स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के अंतर्गत सीकर में खाटू श्याम जी मंदिर में विकास कार्य के लिए केंद्र सरकार की ओर से 87 करोड़ रुपए की स्वीकृति को राज्य में धार्मिक पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में वे खाटू श्याम जी में ही बैठक करेंगी। उपमुख्यमंत्री ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए आवश्यक बैठक कर कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अल्बर्ट हॉल पर योजना के अनुरूप नवीनीकरण के उत्कृष्ट कार्य करान के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने निर्देश दिया कि सीमा पर वार म्यूजियम का कार्य पूर्ण संवेदनशीलता से किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी बिंदुओं को ध्यान में रख कर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि निश्चित ही वार म्यूजियम से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय दूरसंचार सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने बागड़े से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को राजभवन में भारतीय दूरसंचार सेवा के वर्ष 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। यह प्रशिक्षु अधिकारी स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत तीन दिवसीय दौरे पर जयपुर आए हुए हैं। बागड़े ने दूरसंचार सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्हें राष्ट्र प्रथम की सोच को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूरसंचार सेवाओं को सुदृढ़ करने में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दूरसंचार सेवाओं में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। 'विकसित भारत' के संकल्प के अंतर्गत भारतीय दूरसंचार सेवाओं को और अधिक सुगम, सुलभ और प्रभावी बनाने के साथ विश्व भर में अग्रणी करने में अधिकारी संकल्पबद्ध होकर कार्य करे।

राज्यपाल ने भारतीय दूरसंचार सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को राष्ट्र के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता रखते हुए संचार सेवाओं के अंतर्गत साइबर सुरक्षा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और उपभोक्ताओं को संचार सेवाओं के बगैर बाधा समुचित रूप में उपलब्ध कराने के लिए भी सुनियोजित सोच के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने दूरसंचार सेवाओं के अंतर्गत यूनेस्को स्तर पर भारत को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलने पर प्रसन्नता भी जताई तथा कहा कि भारत की तकनीकी श्रेष्ठता के लिए सभी मिलकर कार्य करें।

भजनलाल ने इंदिरा गांधी फीडर का निरीक्षण और हवाई सर्वेक्षण किया

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपने हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले को दो दिवसीय दौरे की शुरुआत इंदिरा गांधी फीडर के निरीक्षण और हवाई सर्वेक्षण से की। शर्मा ने सबसे पहले पंजाब के तरनतारन जिले में स्थित हरिके हैड का निरीक्षण किया और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (जल संसाधन) अभय कुमार, विधायक गुरवीर सिंह बरार मौजूद थे। इससे पहले मुख्यमंत्री के हरिके हेड पहुंचने पर तरनतारन जिले के प्रशासनिक अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

जयपुर सिलसिलेवार धमाकों के दौरान बम बरामदगी मामले में चार लोगों को आजीवन कारावास

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर की विशेष अदालत ने शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से संबंधित एक मामले में चार लोगों को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने इन आरोपियों को शुक्रवार को दोषी ठहराया था और सजा मंगलवार को सुनाई। यह मामला जयपुर सिलसिलेवार धमाकों के दौरान एक बम की बरामदगी से संबंधित है। विशेष अदालत ने चार अप्रैल को इस मामले में चार आरोपियों - सरवर आजमी, शाहबाज, सैफुर्रहमान और मोहम्मद सैफ - को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दोषी करार दिया था।

यह मामला 13 मई, 2008 को चांदपोल में बम बरामदगी से संबंधित है। इस बम को सुरक्षा दस्तों ने निष्क्रिय कर दिया था। उस रात जयपुर शहर में सिलसिलेवार आठ बम विस्फोट हुए थे, नौवां बम चांदपोल बाजार के पास से बरामद कर लिया गया था। इन बम धमाकों में 71 लोगों की जान चली गई थी और 180 अन्य लोग घायल हो गए थे।

राजधानी जयपुर के माणक चौक खंदा, चांदपोल गेट, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया गेट, जौहरी बाजार और सांगानेरी गेट पर एक के बाद एक बम फटे थे।

दिसंबर 2019 में निचली अदालत ने सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सलमान और सैफुर्रहमान को मौत की सजा सुनाई थी और पांचवें आरोपी शाहबाज को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। निचली अदालत ने जिन लोगों को सजा सुनाई थी, उन्होंने निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने 29 मार्च, 2023 को मौत की सजा पाये चारों को बरी कर दिया। उच्च न्यायालय ने इसके अलावा शाहबाज को बरी करने के निचली अदालत के फैसले की पुष्टि की।

बरेली में शोभायात्रा में शामिल बुलडोजर को पुलिस ने रोका

भाजपा नेता और प्रशासन के बीच हुई तीखी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उत्तर प्रदेश)/भाषा। बरेली के फरीदपुर में माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब पुलिस ने रामनवमी शोभायात्रा में बुलडोजर को शामिल करने पर आपत्ति जताई और इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता तथा प्रशासन के बीच तीखी बहस भी हो गई।

आदर्श रामलीला समिति द्वारा सोमवार को आयोजित शोभायात्रा में बुलडोजर भी शामिल किया जिसे पुलिस ने रोक दिया और कहा कि यह 'अनधिकृत' और 'नई परंपरा' है। शोभायात्रा में हिस्सा ले रहे लोगों ने इसको लेकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने सड़क को जाम कर दिया और पुलिस तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वे धरने पर बैठ गए। फरीदपुर थाने के प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि आखिरकार शांतिपूर्ण तरीके से शोभायात्रा संपन्न हुई। उन्होंने कहा, ''कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण रहा, लेकिन पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में रातभर कड़ी निगरानी रखी। मंगलवार सुबह स्थिति सामान्य रही।''

स्थिति तब बिगड़ी जब भाजपा की आंवला इकाई के अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से भिड़ गए। सिंह ने तर्क दिया कि पिछले पांच वर्षों से रामनवमी शोभायात्रा में बुलडोजर को शामिल किया जाता रहा है और पुलिस पर परंपराओं में व्यवधान डालने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा, ''हम शांति भंग करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने अपने दावे के समर्थन में पूर्व में आयोजित शोभायात्रा की तस्वीरें और वीडियो पेश किए जिसमें बुलडोजर शामिल था। जिला मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विमर्श के बाद प्रशासन ने शोभायात्रा में बुलडोजर को शामिल करने की अनुमति दी। बाद में, आदेश प्रताप सिंह ने बुलडोजर पर सवार होकर सीएएस इंटर कॉलेज मैदान से शोभायात्रा को फिर से शुरू किया, जहां से उन्होंने पहले इसे हरी झंडी दिखाई थी। फरीदपुर की एसडीएम मल्लिका नैन ने कहा कि आयोजकों को शोभायात्रा के पारंपरिक प्रारूप का पालन करने की सलाह दी गई, जिस पर वे अंततः सहमत हो गए। उन्होंने कहा, ''चर्चा के बाद शोभायात्रा शांतिपूर्ण तरीके से जारी रही।''

वक्फ संशोधन कानून को लेकर मणिपुर के लिलोंग में हिंसक प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के थौबल जिले के मुस्लिम बहुल लिलोंग इलाके में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पूर्व जिले में भी चौकसी बढ़ा दी गई है, जहां मंगलवार को खुरई खुमीदोक बाजार में कानून के विरोध में मानव शृंखला बना कर विरोध प्रदर्शन किए जाने की योजना है।

थौबल जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले, डंडे, सुरक्षा कवच (बॉडी प्रोटेक्टर) और हेलमेट जैसे दंगा रोधी उपकरणों के साथ तैनात किया जाए। लिलोंग थाने के प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि वे संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त करें और प्रमुख जगहों पर कमांडो टीमों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। इसके साथ ही स्थानीय विधायक अब्दुल नासिर के निवास पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रविवार की रात को लिलोंग में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मणिपुर अध्यक्ष अस्कर अली के घर को भीड़ ने वक्फ संशोधन अधिनियम का कथित रूप से समर्थन करने पर आग लगा दी थी।

इसके बाद सोमवार को जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने और हथियारों जैसे बंदूक, तलवार, डंडा, पत्थर आदि ले जाने पर रोक लगाई गई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार रविवार रात करीब 7,000 से 8,000 लोगों की भीड़ लाठियों और पत्थरों से लैस होकर अस्कर अली के घर पहुंची और उसे आग के हवाले कर दिया। अली ने शनिवार को सोशल मीडिया पर वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के समर्थन में बयान दिया था। हालांकि रविवार की घटना के बाद उन्होंने माफी मांगी और कानून की निंदा की। पुलिस ने बताया कि इंफाल घाटी के कई हिस्सों में भी रविवार को वक्फ कानून के विरोध में प्रदर्शन हुए। लिलोंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-102 पर लगभग 5,000 से अधिक लोगों की रैली के कारण यातायात प्रभावित हुआ, जबकि कुछ क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लोकसभा ने बृहस्पतिवार को और राज्यसभा ने शुक्रवार तड़के लंबी बहस के बाद पारित किया था। इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना, विरासत स्थलों की सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना है। इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने, वक्फ बोर्ड और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय बढ़ाने तथा हितधारकों के अधिकारों की सुरक्षा जैसी व्यवस्था की गई हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को इस विधेयक को अपनी मंजूरी दी थी।

'व्हाट्सऐप चैट' के लीक हो जाने के बाद तृणमूल सांसदों के बीच कलह सामने आयी

कोलकाता/भाषा। बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की अंदरूनी कलह मंगलवार को तब सामने आ गई, जब पार्टी सांसदों के बीच कथित कहासुनी का एक वीडियो और सांसदों से संबंधित पार्टी के आधिकारिक 'व्हाट्सऐप ग्रुप' से तीखी नोकझोंक के 'स्क्रीनशॉट' व्यापक रूप से प्रसारित हो गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने दिन में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि इस संवाद में तृणमूल सांसदों कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद के बीच तीखी बहस नजर रही है।

'पीटीआई-भाषा' हालांकि सोशल मीडिया पर साझा किये जा रहे इन 'स्क्रीनशॉट' की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करती है। मालवीय के अनुसार, व्हाट्सऐप पर नोकझोंक की शुरुआत इससे पहले निर्वाचन आयोग मुख्यालय में दो तृणमूल सांसदों के बीच हुई सार्वजनिक बहस से हुई थी। निर्वाचन आयोग मुख्यालय में बहस करने वाले तृणमूल सांसदों में एक महिला थीं। बताया जाता है कि ये सांसद वहां पार्टी का ज्ञापन सौंपने गए थे, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण हो गई और टकराव में तब्दील हो गई, जो बाद में पार्टी के आंतरिक संवाद प्रक्रिया तक पहुंच गई। बनर्जी ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में स्वीकार किया कि बहस हुई थी, लेकिन उन्होंने इसका ठीकरा महिला सांसद पर फोड़ा। उन्होंने कहा, ''मैं पिछले 40 सालों से राजनीति में हूं। यह महिला सांसद निर्वाचन आयोग के बाहर सुरक्षाकर्मियों से मुझे गिरफ्तार करने के लिए कह रही थीं। वे मुझे जेल भेजने वाले कौन होते हैं? उन्होंने (महिला सासंद ने) मुझे गालियां दीं। यह मैं ही हूं जो संसद में संघर्ष करता है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो केवल एक विशिष्ट औद्योगिक घराने से ही प्रभावित हो।' उन्होंने कहा, ''सिर्फ इसलिए कि महिला सांसद धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलती हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वह किसी का अपमान कर सकती हैं।'' बनर्जी लोकसभा में तृणमूल के मुख्य सचेतक भी हैं। संबंधित महिला सांसद से जब 'पीटीआई-भाषा' ने प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। तृणमूल के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि यह मामला पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक पहुंचा दिया गया है।

राहुल ने किया अंबेडकर का अपमान : भाजपा

कांग्रेस ने सरदार पटेल को कभी नहीं दिया उचित स्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी ने यह दावा करके संविधान के प्रति अपनी अज्ञानता और भीम राव अंबेडकर के प्रति अवमानना का परिचय दिया है कि संविधान हजारों साल पुराना है।

सोमवार को बिहार में एक कार्यक्रम में गांधी ने कहा था कि लोग उनसे कहते हैं कि संविधान 1947 में लिखा गया था। कांग्रेस नेता ने कहा था, ''लेकिन मैं उनसे कहता हूं कि संविधान हजारों साल पुराना है।''

इसी के साथ उन्होंने संवैधानिक मूल्यों को 'कमजोर करने' को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर हमला जारी रखा।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि गांधी ने संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष अंबेडकर का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि दलित अधिकारों के हिमायती अंबेडकर ने ही आजादी के बाद संविधान लिखा था।

मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अंबेडकर को नीचा दिखाया है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी हमेशा अपने ''ज्ञान के अतिरेक'' से देश को स्तब्ध और अवाक कर देते हैं। उन्होंने कहा, ''उन्हें (राहुल को) यह भी नहीं पता कि संविधान 1947 में नहीं लिखा गया था, बल्कि यह संविधान सभा की कार्यवाही थी जो तब शुरू हुई थी। संविधान को 26 नवंबर, 1949 को अंतिम रूप दिया गया था और 26 जनवरी, 1950 को उसे लागू किया गया था।''

त्रिवेदी ने कहा कि जिन लोगों ने 26 नवंबर 1949 को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसले की आलोचना की, उन्हें यह समझना चाहिए कि देश में कई अज्ञानी युवा हैं, जिन्हें संविधान के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है और गांधी उनमें से एक हैं।

भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी पलटवार किया, जिन्होंने दावा किया था कि सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के विपरीत है।

खरगे ने भारतीय जनता पार्टी पर उनकी विरासत को हड़पने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया।

पूरन और मार्श ने लखनऊ को केकेआर पर दिलाई चार रन से रोमांचक जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मिचेल मार्श के पांच मैचों में चौथे अर्धशतक और निकोलस पूरन के 36 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने मंगलवार को आईपीएल के रोमांचक मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हरा दिया ।

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर तीन विकेट पर 238 रन बनाये । जवाब में कप्तान अजिंक्य रहाणे के 35 गेंद में 61 रन की मदद से एक समय जीत की ओर बढती दिख रही मेजबान टीम सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी ।

इस जीत के बाद लखनऊ छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि केकेआर चार अंक लेकर छठे स्थान पर बनी हुई है । इससे पहले करीब 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में लखनऊ के सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्क्रम और मार्श ने 62 गेंद में 99 रन की सलामी साझेदारी की । मार्क्रम ने 28 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 47 रन बनाये । वहीं मार्श ने 48 गेंद में 81 रन बनाये जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे । पूरन ने 36 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों के साथ 87 रन की नाबाद पारी खेलकर लखनऊ को आईपीएल में उसके दूसरे सर्वोच्च स्कोर तक पहुंचाया । त्रिनिदाद के इस खब्बू बल्लेबाज ने हर्षित राणा को 17वें ओवर में दो गगनभेदी छक्के जड़े और इस पारी के दम पर आरेंज कैप की दौड़ में मार्श को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए ।

दस ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर बिना किसी नुकसान के 95 रन था । इसके बाद अगले दस ओवर में 143 रन बने । मार्क्रम ने मोईन अली की जगह खेल रहे स्पेंसर जॉनसन के दूसरे ओवर में 18 रन निकाले । उन्होंने लगातार तीन गेंदों पर दो चौके और एक छक्का जड़ा । चार ओवर के बाद लखनऊ का स्कोर 38 रन था । केकेआर के लिये वैभव अरोड़ा ने पहले दो ओवर में सिर्फ आठ रन दिये लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिला ।

पांचवें ओवर में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने वरूण चक्रवर्ती को गेंद सौंपी जिन्होंने पहले तीन ओवर में सिर्फ 16 रन दिये लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी । राणा ने आखिरकार 11वें ओवर में आफ कटर पर मार्क्रम को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा । केकेआर को इससे भी राहत नहीं मिली क्योंकि पूरन आक्रामक तेवर लेकर ही उतरे थे । उन्होंने अपना तीसरा आईपीएल अर्धशतक सिर्फ 21 गेंदों में पूरा किया । मार्श और पूरन ने दूसरे विकेट के लिये सिर्फ 30 गेंद में 71 रन जोड़े । पूरन ने वरूण को 14वें ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया । बीच के ओवरों में 11वें से 15वें ओवर के बीच लखनऊ ने 75 रन बनाये । केकेआर के गेंदबाजों को पिच से कोई सहायता नहीं मिली ।

वरूण ने चार ओवरों में 47 रन देकर एक विकेट लिया जबकि जॉनसन ने तीन ओवर में 46 रन दे डाले । सुनील नारायण ने भी तीन ओवर में 33 रन दे दिये और उन्हें कोई विकेट नहीं मिली । अरोड़ा ने चार ओवर में 35 रन दिये । आंद्रे रसेल को 16वें ओवर में गेंद सौंपी गई जबकि वह आम तौर पर साझेदारियां तोड़ने में माहिर हैं । उस समय तक लखनऊ ने 170 रन बना लिये थे और 200 के पार आसानी से पहुंच गई । जवाब में रहाणे ने लखनऊ के तीनों तेज गेंदबाजों आकाशदीप, शार्दुल ठाकुर और आवेश खान की धुनाई करते हुए केकेआर को 2017 के बाद पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ स्कोर एक विकेट पर 90 रन तक पहुंचाया । रहाणे को शार्दुल ने वाइड गेंद पर ललचाया । एक ओवर में पांच वाइड गेंद खेलने के बाद झल्लाये रहाणे ने वाइड गेंद पर कवर में पूरन को कैच थमा दिया । लखनऊ के गेंदबाजों ने 20 वाइड गेंदें डाली ।

कानपुर में जुलूस के दौरान पथराव की झूठी अफवाह फैलाने के आरोप में यूट्यूबर्स और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर की पुलिस ने यहां मूलगंज में रामनवमी जुलूस के दौरान पथराव की झूठी अफवाह फैलाने के आरोप में यूट्यूबर्स समेत कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कानपुर में रविवार शाम रामनवमी शोभा यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं पर पथराव की खबरों के बीच यहां तनाव फैल गया। हालांकि पुलिस ने इसे अफवाह करार दिया था।

अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) हरीश चंदर ने बताया कि पथराव की झूठी खबर फैलाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने किसी भगवा संगठन के नेता व कार्यकर्ता पर प्राथमिकी दर्ज करने से इंकार किया। मूलगंज में तैनात और जुलूस की निगरानी कर रहे पुलिस उप निरीक्षक रामानंद द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब रामनवमी शोभा यात्रा का जुलूस नया चौक से मिसरी बाजार होते हुए मेस्टन रोड की ओर बढ़ रहा था।

इसमें कहा गया है कि उसी समय कुछ लोगों ने आस-पास की इमारतों से जुलूस पर पत्थर फेंके जाने की अफवाह फैलायी और इसके बाद मौके से भागना शुरू कर दिया, जिससे अफरातफरी मच गई। स्थिति को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तुरंत पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। अपनी शिकायत में रामानंद ने कहा कि कई यूट्यूबर्स सहित अज्ञात व्यक्ति अशांति भड़काने के इरादे से झूठी सूचना प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार थे।

संभल हिंसा: सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क से एसआईटी ने पूछताछ की

संभल/भाषा। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क से मंगलवार को संभल में पिछले साल एक मस्जिद के अदालती आदेश पर किए गए सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा के संबंध में पूछताछ की गई।

संभल के सांसद पूर्वाह्न करीब साढ़े ग्यारह बजे 10 से अधिक वकीलों के साथ नखासा थाने पहुंचे और मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। सपा सांसद करीब तीन घंटे तक थाने में रहे, जिस दौरान उनसे पिछले साल 24 नवंबर को कोट गर्वी इलाके में हुई हिंसा के बारे में सवाल पूछे गए। मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। संभल के असमोली के पुलिस क्षेत्राधिकारी और एसआईटी प्रभारी कुलदीप सिंह ने पत्रकारों को बताया,'' आज उनका बयान दर्ज होना था, उसी क्रम में उन्हें बुलाया गया। उनका बयान एसआईटी द्वारा दर्ज किया गया है और उसमें जांच के जितने भी बिंदु थे उन सभी पर पूछताछ की गई है। हमारी जांच लगातार चल रही हैं । सिंह ने कहा, सांसद को आज निर्धारित प्रक्रिया के तहत बुलाया गया था। एसआईटी ने उनका बयान दर्ज किया है और पूछताछ के दौरान मामले से जुड़े सभी प्रासंगिक बिंदुओं को कवर किया गया है।

राहुल ने पश्चिम बंगाल के शिक्षकों के मामले में राष्ट्रपति से हस्तक्षेप का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह पश्चिम बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों से जुड़े मामले में दखल दें तथा सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित करें कि निष्पक्ष तरीकों से चुने गए उम्मीदवारों को सेवा जारी रखने की अनुमति मिले।

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को बृहस्पतिवार को अमान्य करार देते हुए उनकी चयन प्रक्रिया को ''त्रुटिपूर्ण'' करार दिया था।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने नियुक्तियों को रद्द करने संबंधी कलकत्ता उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल 2024 के फैसले को बरकरार रखा था। राहुल गांधी ने सात अप्रैल की तिथि वाले पत्र में कहा, मैं पश्चिम बंगाल में उन हजारों योग्य स्कूली शिक्षकों के मामले में आपके हस्तक्षेप का अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं, जिन्होंने न्यायपालिका द्वारा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के कारण अपनी नौकरी खो दी है। प्रभावित शिक्षकों के लिए एक मंच, 'शिक्षक-शिक्षिका अधिकार मंच' के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुझे मामले से अवगत कराया और विशेष रूप से मुझसे आपको लिखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शिक्षक भर्ती में गंभीर अनियमितताएँ पाईं और पूरी प्रक्रिया को अमान्य घोषित कर दिया। तीन अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। फैसले के बाद से, शिक्षकों के साथ-साथ बर्खास्त किए जाने वाले कर्मचारियों ने किसी भी समाधान की उम्मीद लगभग छोड़ दी है।'' उनके मुताबिक, दोनों निर्णयों में पाया गया कि कुछ उम्मीदवार बेदाग थे - जिनका चयन उचित तरीकों से किया गया था, और कुछ 'दागी' - जो अनुचित तरीकों से चुने गए थे। राहुल गांधी ने कहा, दागी और बेदाग दोनों शिक्षकों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। भर्ती के दौरान किए गए किसी भी अपराध की निंदा की जानी चाहिए और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। हालाँकि, निष्पक्ष तरीके से चयनित शिक्षकों के साथ दागी शिक्षकों के समान व्यवहार करना एक गंभीर अन्याय है।

अरुणाचल प्रदेश में सरकारी कार्यालय से हेरोइन जब्त, एक कर्मचारी गिरफ्तार

ईटानगर/भाषा। ईटानगर पुलिस ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान 'ऑपरेशन डॉन 2.0' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां सचिवालय परिसर से एक संदिग्ध मादक पदार्थ आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 44.36 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ईटानगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि व्यक्ति वर्तमान में राज्य बागवानी विभाग में 'मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर कार्यरत है और जब्त की गई हेरोइन का बाजार मूल्य करीब 3.7 लाख रुपए है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब सचिवालय के कर्मचारी ने पुलिस को सूचना दी कि सुरक्षाकर्मियों ने मादक पदार्थ के संदिग्ध एक तस्कर को ब्लॉक तीन की तीसरी मंजिल पर स्थित 'बाथरूम' में बंद कर दिया है। एसपी ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति कथित तौर पर उच्च सुरक्षा वाले सरकारी परिसर में मादक पदार्थ बेचने का प्रयास कर रहा था। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) केंगो दिर्ची और पुलिस के अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची, जहां से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। संदिग्ध यहां गोम्पा मंदिर के पास जीरो प्वाइंट में रहता है और मूल रूप से असम के तिनसुकिया जिले के मार्गेरिटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोरगोलाई मिलन नगर निवासी है।

श्रेयस अय्यर आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है ।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के सूत्रधारों में रहे अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 243 रन बनाये थे ।

आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा ,''दाहिने हाथ के बल्लेबाज ने मार्च ने तीन वनडे में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारत के लिये सर्वाधिक रन भी बनाये ।''

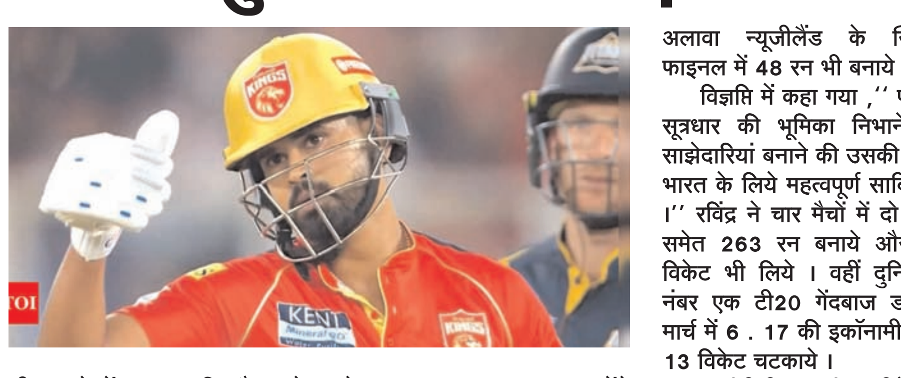

इसमें कहा गया ,'' भारत के अपराजेय अभियान में अय्यर का योगदान अहम रहा । उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन की पारी खेली । इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये ।''

विज्ञप्ति में कहा गया ,'' पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की उसकी क्षमता भारत के लिये महत्वपूर्ण साबित हुई ।'' रविंद्र ने चार मैचों में दो शतक समेत 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये । वहीं दुनिया के नंबर एक टी20 गेंदबाज डफी ने मार्च में 6 . 17 की इकॉनामी रेट से 13 विकेट चटकाये ।

आईसीसी मार्च महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के लिये अमेरिका की चेतना प्रसाद, आस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वोल दौड़ में हैं ।

सुविचार

**सब्र कोई कमजोरी नहीं होती है,
ये वो ताकत होती है
जो सब में नहीं होती।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारी भाषाएं और चिकित्सा शिक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में तमिल भाषा में चिकित्सा शिक्षा देने का जो आह्वान किया, उससे शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषा की भूमिका को लेकर व्यापक बहस शुरू हो गई है। यह स्वागत-योग्य है। हमारे देश में मातृभाषा में चिकित्सा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर बातें तो बहुत हुईं, लेकिन उतना काम नहीं हुआ। पहले भी कई नेताओं, विद्वानों, विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षा के लिए मातृभाषा को माध्यम बनाने के लिए आवाज उठाई थी। वहीं, ऐसे बुद्धिजीवियों की भी कमी नहीं रही, जो इस मांग का यह कहते हुए मजाक उड़ाते थे कि ऐसा संभव नहीं है! क्यों नहीं है? उनके अनुसार, कई शब्द ऐसे हैं, जिनका हमारी भाषाओं में अनुवाद नहीं हो सकता और अंग्रेजी तो ज्ञान प्राप्त करने के लिए सर्वोच्च भाषा है। वास्तव में समस्या अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा नहीं है। जो विद्यार्थी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए इसकी व्यवस्था जरूर होनी चाहिए। इसके साथ ही उन विद्यार्थियों के लिए मातृभाषा में पढ़ाई का विकल्प होना चाहिए, जो इसके इच्छुक हैं। कई देशों में उनकी मातृभाषाओं में चिकित्सा शिक्षा देने का प्रयोग अत्यंत सफल रहा है। इसके लिए जापान का उदाहरण दिया जा सकता है। जापान के अस्पताल, चिकित्सा एवं शोध संस्थान उच्च कोटि के हैं। जापानी डॉक्टर बहुत अच्छे माने जाते हैं। उस देश में 100 साल से ज्यादा उम्र वाले हजारों लोग हैं। वहां चिकित्सा की पढ़ाई जापानी भाषा में होती है। इससे चिकित्सा शास्त्र के विद्यार्थियों, डॉक्टरों और मरीजों को कोई समस्या नहीं होती। इसके अलावा इटली, जर्मनी, फ्रांस, रूस और चीन में मातृभाषा में चिकित्सा की पढ़ाई होती है।

क्या इन देशों में चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति अच्छी नहीं है? अगर ये देश अपनी भाषाओं में चिकित्सा की पढ़ाई करवा सकते हैं तो हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते? उच्च शिक्षा के लिए मातृभाषा का विकल्प उपलब्ध होगा तो इसका फायदा अनेक विद्यार्थियों को होगा। जो लोग इसका विरोध करते हैं, वे कहीं-न-कहीं इन युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलने का विरोध करते हैं। अब बड़ा सवाल पैदा होता है- क्या चिकित्सा शास्त्र में प्रयुक्त कठिन शब्दों का मातृभाषा में अनुवाद किया जा सकता है? इसका जवाब है- बिल्कुल किया जा सकता है। इसके लिए अनुवादकों, भाषाविदों और चिकित्सा विशेषज्ञों को मिलकर काम करना होगा। हमारी भाषाओं के शब्दभंडार बहुत समृद्ध हैं। अब तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से काम और ज्यादा आसान हो सकता है। इसकी मदद से एक ही शब्द के कई अनुवाद किए जा सकते हैं और उनमें से जो सबसे सरल एवं उपयुक्त लगे, उसे लिया जा सकता है। हम नए शब्द बना सकते हैं। इस प्रक्रिया में समय जरूर लगेगा, लेकिन यह काम संभव है। इस तरह पढ़ाई कराने से सबसे ज्यादा फायदा उन ग्रामीण विद्यार्थियों को होगा, जो मेधावी हैं, लेकिन अंग्रेजी में पारंगत नहीं हैं। उनके लिए संबंधित विषय की जटिल अवधारणाओं को समझना आसान होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि जो विद्यार्थी मातृभाषा में पढ़ाई कर डॉक्टर बनेंगे, वे मरीजों से बेहतर ढंग से संवाद कर सकेंगे, उनकी समस्याओं को अच्छी तरह से समझ सकेंगे और उन्हें स्वस्थ होने के लिए प्रोत्साहित करने में ज्यादा सक्षम होंगे। मातृभाषा में पाठ्यक्रम निर्माण, अध्यापन, प्रशिक्षण आदि से संबंधित कई चुनौतियां आ सकती हैं। उनसे निपटने के लिए हम अन्य देशों के अनुभवों से सीख सकते हैं। मातृभाषा में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराना एक दूरदर्शी कदम साबित होगा।

ट्वीटर टॉक

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी के देहावसान का दुःखद समाचार स्तब्ध कर देने वाला है। उनका जीवन आध्यात्मिक प्रकाश का स्रोत था, जो अनगिनत आत्माओं को सत्य, शांति और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहा।

-ओम बिरला

जयपुर के नाहरगढ़ रोड क्षेत्र में कल रात हुई भीषण दुर्घटना में नागरिकों के हताहत होने तथा गंभीर रूप से घायल होने का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं।

-दीया कुमारी

हनुमानगढ़ प्रवास के दौरान लखूवाली आगमन पर अन्नदाताओं द्वारा जिस असीम स्नेह व सम्मान के साथ आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया, उसके लिए सभी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँ। इस अवसर पर उपस्थित किसानों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

गहराई का ज्ञान

एक बार एक व्यक्ति स्वामी रामकृष्ण परमहंस के पास जाकर कहने लगा कि हमारा धर्म आपके धर्म से श्रेष्ठ है। साथ ही पूछा आपका धर्म किस आधार पर श्रेष्ठ है। परमहंस जी मुस्कराए और बोले, 'एक बार सागर का एक मेढक अचानक कुएं में गिर गया। उसे देखकर कुएं का मेढक बोला तुम बहुत बड़े कुएं में आ गए हो। इसकी लंबाई, चौड़ाई और गहराई को मैं जानता हूं। क्या तुम जानते हो।' समुद्री मेढक ने कहा, 'मैं सागर से आया हूं क्या तुम सागर की लंबाई-चौड़ाई से परिचित हो।' कुएं के मेढक ने कहा, 'कुएं की लंबाई-चौड़ाई में मेरी दो-तीन छलांग के बराबर है, समुद्र की ज्यादा से ज्यादा छह-सात छलांग के बराबर होगी।' समुद्री मेढक ने कहा, 'तुम जीवन भर इस कुएं में रहे हो। सागर की अथाह लंबाई, चौड़ाई और गहराई की कल्पना करना तुम्हारे लिये संभव नहीं है। लाखों कुएं उसका मुकाबला नहीं कर सकते। मैं अनेक वर्ष समुद्र में रहकर उसकी ऊंचाई, गहराई व चौड़ाई का पता नहीं लगा सका।' स्वामी परमहंस ने कहा कि इस कथा का सार यह है कि लोग अपने धर्म को श्रेष्ठ बताने के दुराग्रह में जी रहे हैं। धर्म की श्रेष्ठता के रत्न को कोई व्यक्ति धर्म सागर की गहराई में उतरकर ही हासिल कर सकता है।

सामयिक

अपने भीतर के महावीर को जगाएं

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

जैन परम्परा में 24 तीर्थंकर हुए हैं। वर्तमान कालीन 24 तीर्थंकरों की श्रृखंला में प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी हैं। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक को देश-विदेश में बडे़ ही उत्साह के साथ पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है। भगवान महावीर को वर्द्धमान, सन्मति, वीर, अतिवीर के नाम से भी जाना जाता है। ईसा से 599 पूर्व वैशाली गणराज्य के कुण्डलपुर में राजा सिद्धार्थ एवं माता त्रिशला की एक मात्र सन्तान के रूप में चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को आपका जन्म हुआ था। तिलोयपण्णत्ति ग्रंथ में आपके जन्म के संबंध में उल्लेख है- सिद्धत्थराय पियकारिणीहि णयरम्मिकुंडले वीरो। उत्तर फग्गुणि रिक्खे चेत्त सिद तेरसीए उप्पण्णे।।

30 वर्ष तक राजप्रासाद में रहकर आप आत्म स्वरूप का चिंतन एवं अपने वैराग्य के भावों में वृद्धि करते रहे। 30 वर्ष की युवावस्था में आप महल छोड़कर जंगल की ओर प्रयाण कर गये एवं वहां मुनि दीक्षा लेकर 12 वर्षों तक घोर तपश्चरण किया। तदुपरान्त 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पदविहार कर आपने संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु धर्म का उपदेश दिया। ईसा से 527 वर्ष पूर्व कार्तिक अमावस्या को उषाकाल में पावापुरी में आपको निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त हुआ। नमः श्री वर्धमानाय, निर्भूत कलिलात्मने। सालोकानाम त्रिलोकानाम यद्विद्या दर्पणायते।। अर्थात जिन्होंने अपनी आत्मा के कर्ममल को धो डाला है और जिनकी विद्या में अलोकाकाश सहित तीन लोक दर्पणवत प्रतिबिम्बित होते हैं, उन श्री वर्धमान जिनेन्द्र को नमस्कार है।

महावीर जयंती हम प्रतिवर्ष मानते हैं, एकबार स्वयं महावीर के रास्ते पर चलने का यदि संकल्प ले लिया तो हम स्वयं महावीर बनने की ओर कदम बढ़ा लेंगे। इसलिए जरूरी है कि हम में से हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी सभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। भगवान महावीर वही व्यक्ति बन सकता है, जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें दुःख-कष्टों को सहने की क्षमता हो। जिसको प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संतुलन बनाना आ गया वह महावीर बन सकता है। आज की भागमभाग के जीवन में सुख-शांति की खोज महावीर के पथ से प्राप्त हो सकती है। जिसके मन मस्तिष्क में प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा अपना भाग्य बदलना जानता हो वह महावीर बन सकता है।

भगवान महावीर ने अपनी देशना में मानव के लिए उपदेश दिया कि धर्म का सही अर्थ समझो। धर्म तुम्हें सुख, शांति, समृद्धि, समाधि -यह सब आज देता है या बाद में -इसका मूल्य नहीं है। मूल्य इस बात का है कि धर्म तुम्हें समता, ईमानदारी, सत्य, पवित्रता, नैतिकता, स्याद्वाद, अपरिग्रह और अहिंसा की अनुभूति कराता है या नहीं। महावीर का जीवन हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसमें धर्म के सूत्र निहित हैं। आज महावीर के पुनर्जन्म की नहीं, बल्कि उनके द्वारा जीये गए मूल्यों के पुनर्जन्म की अपेक्षा है। जरूरत है हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले और हम हर क्षण महावीर बनने की तैयारी में जुटें, तभी महावीर जयंती मनाना सार्थक होगा।

आज भी सत्य, धैर्य, धर्म, करुणा, क्षमा, मैत्री और अहिंसा आदि के पालन से ही जीवन को मूल्यवान बनाना संभव है। इसी पथ पर आगे बढ़ने में मानव का कल्याण निहित है। महावीरमय होने का आशय दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तरह के तापों से मानव समाज की मुक्ति है। इसके लिए मन, बुद्धि और कर्म तीनों को पवित्र करना होगा।

महावीर बनने की कसौटी है- देश और काल से निरपेक्ष तथा जाति और संप्रदाय की कारा से मुक्त चेतना का आविर्भाव। भगवान महावीर एक कालजयी और असांप्रदायिक महापुरुष थे, जिन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत को तीव्रता से जीया। आज स्वार्थ, मोह और छल -कपट का बाजार गर्म है। नीति - अनीति, सत्य- असत्य और न्याय- अन्याय आदि का कोई ध्यान रखें बगैर उच्च पदस्थ लोग भी विभिन्न प्रकार के भ्रष्ट आचरणों में लिप्त हो रहे हैं। अपने ही लोग अपनों को गिराने में लगे हैं, जलन, द्वेष-ईर्ष्या, मोह-माया की प्रवृत्ति मानव के मन मस्तिष्क में घर कर गयी है। मानव स्वार्थी इतना हो गया है कि उसे अपने सिवा कुछ दिखता नहीं है। धर्म के कार्यों में ठगी और मंच, माला, माइक की प्रवृत्ति ने असली महावीर और उनके सिद्धांत कहीं गुम से हो गए हैं। मानव का मुखौटा इतना दिखावटी, बनावटी और सजावटी हो गया है कि सत्य, असत्य की पहचान ही कठिन हो गयी है। वह यह भूल ही गया है कि एक दिन इस संसार से विदा भी होना है! यह दुखद है कि राजनीति, न्याय, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आए दिन आचरण की दृष्टि से कलुषित व्यवहार और मिथ्याचार की घटनाएं लगातार सुर्खियां बन रही हैं। इसी के साथ अपराधों की दुनिया का तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे विकट हो रहे सामाजिक परिवेश में भगवान महावीर की प्रतीति और अनुभूति मार्गदर्शक भी है और आश्वस्त भी करने वाली है। आज हमें अपने भीतर के महावीर को जगाने की और महावीरमय होने की आवश्यकता है। भगवान महावीर स्वामी का स्मरण और उनके साथ तादात्म्य स्थापित करने की चेष्टा मनुष्य को कुमार्गगामी होने से बचने और सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

अपने अंदर के महावीर को जगाने के लिए एक ही सूत्र है -'मैं' का विसर्जन। मैं और मेरा का सतत संघर्ष चलता रहता है। अहंकार आत्म विकास के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोधक है। जहां मान होता है वहां प्रेम खत्म हो जाता है फिर भी हम मान को नहीं निकाल पाते हैं। मान में भगवान नहीं दिखाई देते हैं और गुरु को भी नकार देते हैं। मान में अहंकार का वास रहता है जो हमें धर्म से विमुख कर देता है। अहंकारी व्यक्ति अपने आपको श्रेष्ठ तथा अन्य को तुच्छ समझता है। अंह के विसर्जन के बाद ही आत्म विकास संभव हैं।

आज भी सत्य, धैर्य, धर्म, करुणा, क्षमा, मैत्री और अहिंसा आदि के पालन से ही जीवन को मूल्यवान बनाना संभव है। इसी पथ पर आगे बढ़ने में मानव का कल्याण निहित है। महावीरमय होने का आशय दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तरह के तापों से मानव समाज की मुक्ति है। इसके लिए मन, बुद्धि और कर्म तीनों को पवित्र करना होगा। तभी विचार में बल आ सकेगा, मन स्फूर्ति का संचार होगा और हमारे कर्म फलवान हो सकेंगे। इसी वृत्ति के साथ सन्नद्ध होने पर ही देश, समाज के उत्थान के कार्य में कामयाबी मिल सकेगी।

आज विखंडित हो रहे समाज और विनाश की ओर बढ़ रही दुनिया को सही दिशा देने में भगवान महावीर की शिक्षाएं जितनी प्रासंगिक और उपयोगी हैं, उतना कोई नहीं। इसीलिए धरती की अविरल जीवन धारा के साथ भगवान महावीर सदैव अभिवंद्य रहेंगे।

नजरिया

सिंगापुर के प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग हैं, जिन्होंने टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करने का मार्ग अपनाया और नागरिकों से देश के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। वास्तव में, सिंगापुर और अमेरिका इतने बड़े व्यापार नहीं हैं कि दुनिया को नोटिस किया जा सके। वोंग खुद इस बात से अवगत हैं और अपने देश की ताकत के बारे में किसी भ्रम में नहीं हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ को एक 'खूबसूरत चीज' बताया

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनियाभर में टैरिफ लगाने के बाद मार्केट में भूचाल आया हुआ है। भारत समेत लगभग हर देश की स्टॉक मार्केट धड़ाम हो गई। बात अगर भारत की करें तो यहां सेंसेक्स में 3000 से ज्यादा और निफ्टी में 900 अंक से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं ट्रंप ने टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेसिप्रोकल टैरिफ एक 'खूबसूरत चीज' है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकियों को यह बात 'किसी दिन' समझ जरूर आएगी। वहीं ट्रंप की इस खूबसूरत चीज यानी टैरिफ के कारण सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट के निवेशकों को 19 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। सोमवार बाजार ने अपनी उथल-पुथल के साथ दिखाया कि यह कितना अस्थिर था। यह गिरावट, निश्चित रूप से, सभी देशों पर आयात शुल्क लगाने के ट्रम्प के फैसले का परिणाम है। आयात कर दो चरणों में लागू होंगे. पहला चरण 2 अप्रैल से लागू हुआ था। इसके तहत अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले सभी देशों पर 10 प्रतिशत का न्यूनतम आयात शुल्क लगता था। दूसरा चरण 9 अप्रैल से लागू होगा। उस समय, प्रत्येक देश के उत्पादों पर कर लगाया जाएगा क्योंकि वे अमेरिकी बाजार में प्रवेश करते हैं। जैसे, संयुक्त राज्य अमेरिका अब अमेरिकी उत्पादों पर समान कर नहीं लगाएगा क्योंकि ये देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाते हैं। इस हास्यास्पद 'जैसा है' नीति की घोषणा के बाद से, अमेरिकी पूंजी बाजार गिर रहा है और निवेशकों को लगभग 6.5 ट्रिलियन डॉलर (समग्र भारतीय बाजार का संयुक्त मूल्य 4.5 ट्रिलियन डॉलर) का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट को अब भारतीय बाजार द्वारा समर्थित किया गया है, जो ट्रम्प के आगे क्या है, इसका प्रतिबिंब है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध में अमेरिका में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और एलन मस्क के खिलाफ नारेबाजी की. ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का गुस्सा प्रदर्शनकारियों के नारों में जाहिर हुआ और ट्रंप द्वारा लगाई गई नई टैरिफ बढ़ोतरी आज सचमुच धराशायी हो गई. कई लोगों ने नोट किया है कि यह सबसे बड़ा प्रशासन-विरोधी विरोध था, और यह ट्रम्प के टैरिफ युद्ध पर अमेरिकी लोगों के गुस्से को दर्शाता है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियां एकमात्र मुद्दा नहीं हैं जिनके लिए उच्च करों की आवश्यकता होती है, लेकिन यह हजारों लोगों की नौकरियों को खर्च करने और उन्हें बेरोजगार बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों को भी खर्च करने वाला है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में मध्यम आयु वर्ग के और वृद्ध लोग हैं, इसलिए सेवानिवृत्ति लाभों का वहां बहुत महत्व है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ अमेरिकियों को इन लाभों का भुगतान करने के लिए मजबूर करेंगे, इसलिए लोग सड़कों पर ले गए हैं। यदि आप कुछ पाना चाहते हैं, तो आपको कुछ खोना होगा। जापान और ब्रिटेन सहित कई विश्व नेताओं ने ट्रम्प के साथ टैरिफ पर बातचीत की है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प उनकी बात नहीं सुनेंगे। ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ सबसे पहले नेशनल मॉल में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए थे और लहर धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल रही है। इसी तरह के समूह कई अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका ध्यान ट्रम्प पर है। वे मस्क और कई अरबपतियों पर हमें बर्बाद करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं, जिस पर ट्रम्प ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ ने दुनिया को हिला दिया है, कुछ का कहना है कि भारत सबसे कम प्रभावित हुआ है। लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि वैश्विक बाजार सदमे और भ्रम की स्थिति में हैं। जबकि ट्रम्प के टैरिफ ने मुक्त व्यापार को चोट पहुंचाई है, कुछ ने कहा है कि मुक्त व्यापार के झटके को गंभीर रूप से चोट नहीं पहुंचाई जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि अमेरिकी टैरिफ युद्ध का वैश्विक बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह किसी भी बाजार के लिए खतरा है, ट्रम्प के टैरिफ के कारण दुनिया भर के लोग सड़कों पर हैं, और वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित हैं।

ट्रम्प के टैरिफ ने वैश्विक बाजारों में भारी आर्थिक उथल-पुथल पैदा कर दी है, और इसलिए, निवेशक डर या भावना से प्रेरित नहीं हैं। ट्रम्प की टैरिफ योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि लोग इससे कैसे निपटते हैं। वित्तीय बाजार अनिश्चितता से भरा है, इसलिए लोगों को यह पहचानना चाहिए कि स्थिति को स्वीकार करना और बिना किसी तत्काल निर्णय के शांति से निर्णय लेना आज की जिम्मेदारी है। ट्रंप के ट्रेड टैरिफ शेयरों में जो गिरावट आई है, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है . दुनिया को 1929 की वैश्विक मंदी याद आ रही होगी जब अमेरिका में भी ऐसी ही मंदी आई थी और फिर अमेरिका ढह गया था । तब संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर थे। शेयर बाजार ढह गया था और उनके समय में कई लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। आज, इस स्थिति के बावजूद, अमेरिका अभी भी उसी दयनीय स्थिति में है। आज, अमेरिकी लोग सड़कों पर हैं और इसके नतीजे पूरी दुनिया में हैं। वहाँ हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में आज के विरोध प्रदर्शन को सबसे बड़ा कहा जाता है, लेकिन ट्रम्प के टैरिफ युद्ध ने एक और गंभीर परिणाम सामने लाया है: वैश्विक अर्थव्यवस्था ने एक हिट लिया है, और यह प्रत्येक देश पर निर्भर है कि दुनिया इससे कैसे उबरेगी। उद्योग में गिरावट आई है और प्रतिशोधी खतरों की लहर चल रही है, जिससे दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी माहौल बन रहा है और चीन संयुक्त राज्य अमेरिका पर धमकाने का आरोप लगा रहा है। यूरोपीय संघ ने अमेरिका पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि व्यापार युद्ध और टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं है। यह बिल्कुल सच है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने टैरिफ वापस लेने का आह्वान किया है। बेशक, यह सच है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इसे स्वीकार नहीं करेगा। यह एक स्थिति है।

लेकिन ट्रम्प और उनके सहयोगियों को परवाह नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यह राष्ट्रपति अपनी 'क्रांतिकारी' नीतियों के लिए अपनी ही बुद्धिमत्ता की तारीफ करने में व्यस्त है! इतना कि वह अभी भी ढहते बाजार पर ध्यान देने की आवश्यकता महसूस नहीं करता है। इसके विपरीत, वह नागरिकों को कुछ समय के लिए कुंजी सहन करने की सलाह देता है। बेशक, थोड़ी देर के लिए, वह यह कहने की आवश्यकता महसूस नहीं करता कि वास्तव में कितना है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका के खजाने में अरबों डॉलर आने लगे हैं। उनके पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि उन्होंने इन अरबों डॉलर को कहां से आते देखा। ट्रम्प का दावा है कि उनके कार्य दवा हैं। अगर किसी विश्व महाशक्ति के मुखिया को दवा और जहर में फर्क भी नहीं पता है तो इस 'दवाई' का सेवन करने वालों के लिए मुश्किल है। ट्रम्प और उनके साथी स्वार्थ के भ्रम में इतने हैं कि इसके बजाय वे अन्य देशों को खुद को चेतावनी दे रहे हैं। अन्य देशों को समान कर वृद्धि के साथ अमेरिकी टैरिफ वृद्धि का जवाब नहीं देना चाहिए, वह सलाह देते हैं। चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाब देने की हिम्मत का पहला सम्मान है। चीनी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के अमेरिका के फैसले के बाद चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर ऐसे ही टैरिफ बढ़ाने का फैसला किया था। ट्रंप ने कहा, 'चीन को इस तरह के फैसले पर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी। इसका मतलब है कि ट्रम्प उम्मीद करेंगे कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने हाथ बांध देगा। चीन ने भी ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई और इसके बजाय संयुक्त राज्य अमेरिका को उसी तरह से जवाबी कार्रवाई की। एक तरफ, जहां अमेरिकी खुद बड़े पैमाने पर ट्रम्प की नीतियों के साथ अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे थे, यहां तक कि प्रतिद्वंद्वी चीन जैसे देशों ने भी ट्रम्प को बताया कि वह अपने फैसले के साथ क्या सुनना चाहते थे।

इस संदर्भ में, एक अन्य व्यक्ति जो इस संदर्भ में उल्लेखनीय है, सिंगापुर के प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग हैं, जिन्होंने टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करने का मार्ग अपनाया और नागरिकों से देश के सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। वास्तव में, सिंगापुर और अमेरिका इतने बड़े व्यापार नहीं हैं कि दुनिया को नोटिस किया जा सके। वोंग खुद इस बात से अवगत हैं और अपने देश की ताकत के बारे में किसी भ्रम में नहीं हैं। व्यापार युद्ध के जोखिम की संभावना है, और चूंकि हम वैश्विक व्यापार श्रृंखला का भी हिस्सा हैं, वोंग ने स्वेकी को आसन्न खतरे की चेतावनी दी है, इसलिए स्पष्ट रूप से कि आप भी इससे प्रभावित होंगे। सिंगापुर वास्तव में लोकतंत्र नहीं है। फिर भी यह तथ्य कि उस देश के प्रमुख को नागरिकों को विश्वास में लेने की आवश्यकता महसूस होती है, को सिस्टम की अखंडता के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। वे यहीं नहीं रुकते। वोंग ट्रम्प के कार्यों की आलोचना करने से कतराते नहीं हैं क्योंकि एक आक्रामक, संकीर्ण-बाजार रवैये का संकेत, और इसलिए खतरनाक। डब्ल्यूटीओ द्वारा बनाई गई प्रणाली 100 प्रतिशत निर्दोष नहीं हो सकती है। लेकिन वही देश जिसने इसे बनाने की पहल की, वह सिस्टम को तोड़ने की कोशिश कर रहा है, वोंग ने कहा, यह सुझाव देते हुए कि दुनिया अब मंदी की ओर बढ़ रही है। यह निश्चित रूप से सराहनीय है कि इतने छोटे देश के प्रमुख को इतना स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का मंगलवार को जौनपुर पहुंचने पर स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

श्रद्धांजलि

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने मंगलवार को अहमदाबाद में विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की शुरुआत में सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करती हुईं।

पालतू बिल्ली से एलर्जी का खतरा क्यों ज्यादा होता है?

क्वींसलैंड/दक्षिण भारत। अगर आपने अपने घर में बिल्ली पाल रखी है, तो सावधान हो जाएं। पालतू बिल्लियां धूल के कणों के बाद एलर्जी उभरने की दूसरी सबसे बड़ी वजह हैं।

लेकिन, पालतू बिल्लियों से एलर्जी का वास्तविक स्रोत क्या है? और क्या बिल्लियों की कुछ नस्लें एलर्जी के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील होती हैं? बिल्लियों से एलर्जी को लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां हैं। आइए, इनमें से कुछ को दूर करें।

आम धारणा के विपरीत बिल्ली के बाल लोगों में एलर्जी के लिए जिम्मेदार नहीं होते। अलबत्ता, बिल्ली की लार और त्वचा की ग्रंथियों में पैदा होने वाला प्रोटीन 'फेल डी 1' एलर्जी के खतरे को बढ़ावा देता है। यूं तो बिल्लियों के शरीर में एलर्जी के लिए जिम्मेदार आठ कण का उत्पादन होता है, लेकिन विभिन्न अध्ययनों में 'फेल डी 1' को इनमें सर्वाधिक घातक पाया गया है।

'फेल डी 1' एक सूक्ष्म प्रोटीन है, जो कपड़ों और अन्य सतहों से आसानी से चिपक जाता है। यह हवा में भी लंबे समय तक सक्रिय रह सकता है, जिससे इसके श्वास के रास्ते शरीर में प्रवेश करने की आशंका रहती है।

विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि 'फेल डी 1' उन घरों में भी मौजूद हो सकता है, जहां बिल्लियां नहीं होतीं। बिल्ली की लार के माध्यम से इस प्रोटीन के कण उसके बालों और त्वचा पर आ सकते हैं। यही नहीं, सर्दियों के मौसम के बाद जब बिल्लियों के बाल और मृत त्वचा झड़ती है, तो यह प्रोटीन वातावरण में भी फैल सकता है। ऐसे में बिल्ली के बाल में भले ही 'फेल डी 1' जैसे एलर्जी वाले कण मौजूद हो सकते हैं, लेकिन यह खुद एलर्जी के लिए जिम्मेदार नहीं होता। बिल्लियों की बिना बाल वाली नस्ल 'स्फिंक्स' में भी 'फेल डी 1' का स्राव होता है।

अध्ययन दिखाते हैं कि न तो बिल्ली के बालों की लंबाई और न ही उसकी त्वचा की रंगत निर्धारित करती है कि उसके शरीर में कितनी मात्रा में 'फेल डी 1' का उत्पादन होगा। नस्ल के विपरीत, लिंग और 'फेल डी 1' के उत्पादन के मामले में व्यक्तिगत भिन्नताएं तय करती हैं कि कुछ बिल्लियां अन्य बिल्लियों के मुकाबले एलर्जी के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील क्यों होती हैं। यह लंबे समय से ज्ञात है कि आमतौर पर बिना नसबंदी वाले बिल्लों में बिल्लियों या नसबंदी वाले बिल्लों की तुलना में अधिक मात्रा में 'फेल डी 1' का उत्पादन होता है। कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि ज्यादा उम्र की बिल्लियों में छोटी उम्र की बिल्लियों के मुकाबले 'फेल डी 1' का उत्पादन काफी कम होता है।

बिल्लियों की कई नस्लों को 'हाइपोएलर्जेनिक' बताया जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनसे एलर्जी का खतरा बिल्कुल नहीं होता। 2024 में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, बिल्ली की हाइपोएलर्जेनिक नस्ल के बारे में अभी तक कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिल सका है।

मोदी 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे : फडणवीस

ममुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2029 के बाद भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे और उत्तराधिकारी पर चर्चा का कोई सवाल ही नहीं उठता।

फडणवीस का यह बयान शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत के पिछले महीने के उस दावे के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मोदी यह संदेश देने के लिए नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय गए थे कि वह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में नागपुर में की गई उनकी पूर्व टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने मंगलवार को कहा, मैंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में सोचने का यह सही समय नहीं है, क्योंकि 2029 में मोदी फिर से प्रधानमंत्री होंगे। वह मुंबई में 'इंडिया ग्लोबल फोरम' में बोल रहे थे। राउत ने दावा किया था कि मोदी 30 मार्च को संभवतः सितंबर में अपनी सेवानिवृत्ति का आवेदन पत्र लिखने संघ मुख्यालय गए थे। उनका इशारा 75 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त हुए भाजपा के कुछ नेताओं की ओर था। प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी इस वर्ष सितंबर में 75 वर्ष के हो जायेंगे। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया था, ऐसा प्रतीत होता है कि मोदी के उत्तराधिकारी का फैसला संघ द्वारा किया जाएगा, यही कारण है कि मोदी को (संघ मुख्यालय में) बुलाया गया और चर्चा हुई। संघ की चर्चा बंद कमरे में होती है। संकेत बहुत साफ हैं। संघ अगला नेता तय करेगा और वह नेता महाराष्ट्र से हो सकता है। फडणवीस ने राउत के दावे को खारिज करते हुए कहा था, हमारी संस्कृति में, जब पिता जीवित हो, तो उत्तराधिकार के बारे में बात करना अनुचित है।

फिल्म 'विक्की डोनर' 18 अप्रैल को फिर से सिनेमाघरों में होगी रिलीज

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री यामी गौतम की फिल्म 'विक्की डोनर' 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने जा रही है।

शूजित सरकार द्वारा निर्देशित

यह फिल्म 2012 में बड़े पर्दे पर आई थी। जॉन अब्राहम ने इस फिल्म के साथ निर्माण जगत में कदम रखा था।

दिल्ली की पृष्ठभूमि पर बनी 'विक्की डोनर' आयुष्मान और यामी दोनों की पहली हिंदी फिल्म थी। 'स्पर्म डोनेशन' जैसे अनोखे विषय की वहज से यह उस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक रही थी। इसे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिले थे।

यामी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर फिल्म के फिर रिलीज होने की मंगलवार को जानकारी दी। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, '' वह फिल्म जहां से हमारी शुरुआत हुई। सिनेमाघरों में फिर से मिलते हैं। तारीख याद रखें...18 अप्रैल ।''

फिल्म में अन्नू कपूर, डॉली अहलूवालिया और कमलेश गिल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसको 'पीवीआर-आइनॉक्स क्यूरेटेड शो' के तहत फिर से रिलीज किया जा रहा है।

विष्णु मांचू ने धीरेन्द्र शास्त्री से मुलाकात की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विष्णु मांचू ने आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा) से मुलाकात की। विष्णु मांचू ने बागेश्वर बाबा से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान, बागेश्वर बाबा ने विष्णु मांचू, निर्देशक मुकेश कुमार सिंह और फिल्म के खलनायक अर्पित रांका सहित कन्नप्पा की टीम को अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने भक्त कन्नप्पा की महानता के बारे में विस्तार से बात की और फिल्म की झलकियां देखीं, तथा इसके विज़न की सराहना की।

उन्होंने सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और प्राचीन कहानियों को सामने लाने के प्रयास की प्रशंसा की, तथा कहा कि ऐसी फ़िल्में अवश्य बननी चाहिए और जन-जन तक पहुंचनी चाहिए। बागेश्वर बाबा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब भारतीय पौराणिक कथाओं में इतनी गहराई और सुंदरता है, तो पश्चिमी कथाओं की नकल करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उन्होंने फ़िल्म की सफलता के लिए अपने हार्दिक आशीर्वाद और शुभकामनायें भी दीं।

विष्णु मांचू अपनी ज्योतिर्लिंग यात्रा जारी रखेंगे, जो भगवान शिव के बारह पवित्रतम मंदिरों की पवित्र तीर्थयात्रा है। उन्होंने महाराष्ट्र में त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दौरा किया, जो इस आध्यात्मिक यात्रा में एक और दिव्य कदम है। फिल्म कन्नप्पा एक ऐतिहासिक महाकाव्य है जो भगवान शिव के महान भक्त की कहानी बयां करती है। इस फिल्म में विष्णु मांचू के साथ प्रीति मुखुंधन,मोहनलाल, अक्षय कुमार, प्रभास और काजल अग्रवाल की अहम भूमिका है।

फिल्म 'रेड 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन की आने वाली फिल्म रेड 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन की मुख्य भूमिका है। राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में बन रही यह फिल्म वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म रेड की सीक्वल है। फिल्म रेड बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब रेड 2 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। रेड 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म रेड 2 का ट्रेलर टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलज किया गया है। टी-सीरीज ने अपने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर को पोस्ट कर कैप्शन में लिखा , एक तरफ सट्टा, दूसरी तरफ सच, ये रेड अब बहुत बड़ी हो चुकी है। 'रेड 2' का ट्रेलर अब जारी हो चुका है। फिल्म का ट्रेलर दो मिनट 34 सेकंड का है, जिसकी शुरुआत अमय पटनायक (अजय देवगन) से होती है, जो अपनी टीम के साथ दादा मनोहर भाई (रितेश देशमुख)के घर पर छापा मारने जाता है। लेकिन इस रेड में कुछ भी नहीं मिलता है। फिल्म रेड 2 में वाणी कपूर, रजत कपूर, सुप्रिया पाठक, अमित सियाल और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म रेड 2 का निर्माण टी-सीरीज़ और पैनोरमा स्टूडियो के बैनर तले भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार किया है। राज कुमार गुप्ता निर्देशित 'रेड 2' एक मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

श्रेया घोषाल की आवाज में 'राम भजन कर मन' का नया रूप

मुंबई/एजेन्सी

प्रभु श्रीराम को समर्पित सुप्रसिद्ध भजन 'राम भजन कर मन', जिसे कभी स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने अपनी मधुर आवाज से अमर किया था, अब श्रद्धेय श्रेया घोषाल की आत्मिक प्रस्तुति में एक नए भाव और तरंग के साथ सामने आया है। यह भजन सारेगामा इंडिया लिमिटेड द्वारा पुनः प्रस्तुत किया गया है, जो आध्यात्मिक चेतना और भक्ति भाव से ओतप्रोत है। श्रद्धा, संगीत और भक्ति के इस अद्वितीय समन्वय में श्रेया घोषाल की मधुर आवाज श्रोताओं को एक ध्यानात्मक यात्रा पर ले जाती है, जहाँ प्रभु श्रीराम के नाम का स्मरण आत्मा को शांति और ऊर्जा से भर देता है। यह प्रस्तुति न केवल मूल भजन के भाव को सहेजती है, बल्कि उसमें संवेदना और आधुनिकता की एक नई ताजगी भी जोड़ती है।

श्रेया घोषाल ने 'राम भजन कर मन' की अपनी प्रस्तुति को लेकर कहा कि यह भजन मेरे लिए सिर्फ एक संगीत रचना नहीं, बल्कि आत्मा की गहराइयों से जुड़ाव का माध्यम है। जब मैंने इस भजन को गाया, तो मुझे ऐसा महसूस हुआ मानो मैं प्रभु श्रीराम के चरणों में बैठी हूं। लता जी की आवाज में यह भजन पहले ही अमर हो चुका है, मैंने केवल उसी भक्ति भाव को अपनी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। मेरी आशा है कि यह प्रस्तुति श्रोताओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और आंतरिक शांति प्रदान करेगी। श्रेया घोषाल की यह भावनात्मक अभिव्यक्ति उनके भक्ति भाव और संगीत के प्रति समर्पण को दर्शाती है, जो श्रोताओं को उनके सुरों के माध्यम से प्रभु श्रीराम से जोड़ने का कार्य करती है।

प्राइम वीडियो की हॉरर सीरीज 'खौफ' का 18 को होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो की आगामी सस्पेंस हॉरर ओरिजिनल सीरीज़ खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को होगा। सीरीज़ खौफ का निर्देशन पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन ने किया है। आठ एपिसोड वाली यह सीरीज़ सस्पेंस और डर से भरी हुई है। खौफ में मोनिका पंवार, राजत कपूर, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसी शानदार कास्ट है। यह सीरीज़ 18 अप्रैल को भारत में प्राइम वीडियो पर और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर होगी, और अंग्रेजी में सबटाइटल्स के साथ हिंदी में उपलब्ध होगी। निर्माता और लेखिका स्मिता सिंह ने कहा, हॉरर का जादू भावनाओं और वातावरण में बसता है, और खौफ के साथ, हमने एक ऐसी कहानी लिखी है जो न सिर्फ डरावनी और रहस्यमयी है, बल्कि गहरे स्तर पर मानवीय भी है। मधु की यात्रा केवल बाहरी भय से जूझने की नहीं है,बल्कि यह उसके भीतर बसे डर और अतीत के घावों का सामना करने की भी कहानी है। प्राइम वीडियो के साथ काम करना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

वे हमेशा नई और प्रामाणिक आवाज़ों को मंच देने और अनकही कहानियों को सामने लाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी अटूट प्रतिबद्धता और सहयोग ने खौफ को उसी रूप में साकार करने में मदद की, जैसा मैंने इसे अपनी कल्पना में देखा था।

मैं भारत और 240 देशों के दर्शकों के लिए 18 अप्रैल को विशेष रूप से प्रीमियर होने वाली इस सीरीजका अनुभव करने का और इंतजार नहीं कर सकती। निर्माता संजय राउत्रे, ने कहा, खौफ के जरिए, हमने एक ऐसा सस्पेंस-हॉरर अनुभव बनाने की कोशिश की है, जो न सिर्फ भयावह है बल्कि पूरी तरह से दर्शकों को अपनी दुनिया में समा लेने वाला भी है।

पंकज कुमार और सूर्या बालाकृष्णन की कल्पनाशक्ति ने इस कहानी को ऐसा रूप दिया है जो मन में गहराई तक उतरती है, जहाँ डर और हकीकत के बीच की सीमाएँ धुंधली पड़ जाती हैं। इस सीरीज को खास बनाता है स्मिता सिंह का कहानी कहने का अंदाज, जो रहस्यमय माहौल और गहरी मनोवैज्ञानिक गहराई को गढ़ता है, जो दर्शकों को लगातार कगार पर रखता है, जहाँ वे हर पल यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या वास्तविक है और क्या अंधेरे में छिपा हुआ है। इस कल्पना को साकार करने के लिए साहसी और रचनात्मक दिमागों का एक साथ आना जरूरी था, और इसमें प्राइम वीडियो ने अहम भूमिका निभाई है।

ताहिरा कश्यप को फिर हुआ कैंसर, बोलीं 'यह मेरा राउंड-2'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी और फिल्म निर्माता-लेखिका ताहिरा कश्यप सात साल बाद फिर से ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ गई हैं। इस खबर की पुष्टि उन्होंने खुद की है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर शेयर किए गए पोस्ट में उन्होंने इसे अपना सेकंड राउंड बताया। इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर करते हुए ताहिरा ने पोस्ट में लिखा, सात साल की इरिटेशन और तकलीफ या रेगुलर चेकअप के बाद यह फिर से सामने आया। मैं दूसरों को भी यही सलाह देती हूं कि रेगुलर मैमोग्राम्स (टेस्ट) करवाते रहें। मेरा राउंड-2 शुरू हो गया है। वहीं, कैप्शन में उन्होंने लिखा, जब जिंदगी आपको नींबू दे तो नींबू पानी बना लें और जब जिंदगी दोबारा आपकी तरफ नींबू ही फेंके तो आप इसे आराम से अपने काला-खट्टा ड्रिंक में निचोड़ें और अच्छी भावनाओं के साथ इसे इंजॉय करें। क्योंकि एक तो वो ड्रिंक ज्यादा अच्छा होता है और दूसरा, तुम्हें पता है कि तुम फिर से पूरी ताकत के साथ इसका सामना करोगे। ताहिरा ने आगे लिखा, विडंबना यह है कि आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है, आइए हम अपनी क्षमता के अनुसार खुद की देखभाल करने के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करें। ताहिरा ने अपनी पोस्ट के साथ वन मोर टाइम भी लिखा। बता दें, इससे पहले 2018 में ताहिरा को कैंसर होने का पता चला था।

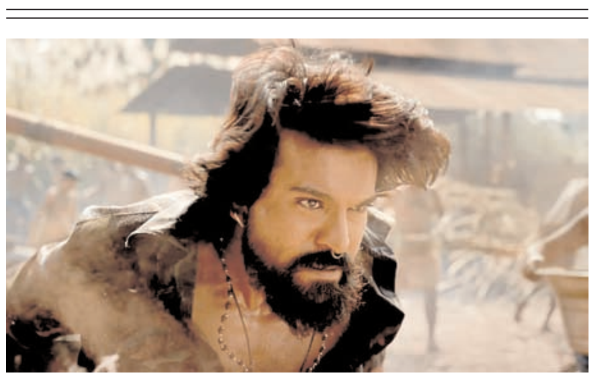

राम चरण की फ़िल्म 'पेड्डी' का फर्स्ट शॉट वीडियो रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल स्टार राम चरण और बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी का फर्स्ट शॉट वीडियो रिलीज हो गया है। फिल्म पेड्डी,ने पहले ही अपने शीर्षक और दो शानदार पहले लुक पोस्टरों के साथ जबरदस्त धूम मचाई है। श्री राम नवमी के शुभ अवसर पर, निर्माताओं ने इस फिल्म का पहला शॉट वीडियो रिलीज किया और फिल्म की रिलीज़ की तारीख की भी घोषणा की। पहला शॉट एक जबरदस्त सीन के साथ शुरू होता है। राम चरण एक शानदार,दमदार एंट्री करते हैं। वह अपने कंधे पर बल्ला लटकाए हुए और मुंह में सिगार लिए हुए अविश्वसनीय आत्मविश्वास के साथ क्रिकेट मैदान पर चलते नजर आते हैं। फिल्म पेड्डी में प्रमुख भूमिकाओं में राम चरण, जान्हवी कपूर, शिवराजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा नजर आएंगे। इसे बुची बाबू सना ने लिखा और निर्देशित किया है, और मैत्री मूवी मेकर्स और सुकोमार राइटिंग्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और वृधि सिनेमा के बैनर तले निर्मित किया गया है। फिल्म का निर्माण वेण्कट सत्येश किलारू द्वारा किया गया है, जबकि संगीत ए.आर. रहमान द्वारा, सिनेमाटोग्राफी आर. रत्नवेलू द्वारा, उत्पादन डिजाइन अविनाश कोल्ला द्वारा, संपादन नवीन नूली द्वारा और कार्यकारी निर्माता के रूप में वी. वाई. प्रभीन कुमार हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी।

II श्री महावीराय नमः II

SINCE 1990 साधर्मिक

श्री जैन महासंघ चेन्नई के तत्त्वावधान में

(श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक-स्थानकवासी-तेरापंथ एवं दिगंबर जैन समुदाय का संगठन)

शासनपति प्रभु महावीर स्वामी के
जन्म कल्याणक महा आनंदोत्सव
सकल श्री संघ आमंत्रण

2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव निमिते

वीर संवत २५५१, चैत्र सुदि १३
::: गुरुवार :::
10 APRIL 2025

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

जिनशासन प्रभावना के साथ
प्रभु वीर के सिद्धांतों का
विशेष प्रचार एवं समृद्धि के साथ

एक विराट शोभायात्रा, धर्मसभा, समूह सामायिक,
रात्रि भक्ति - एक जन्मयो राज दुलारो,
दुनिया नो तारण हारो...

प्रातः 6.00 बजे	:	प्रभात फेरी, श्री जैन नवयुवक मंडल, कोण्डितोप
प्रातः 6.30 बजे	:	जिनालयों में जन्माभिषेक स्नात्र महोत्सव, बडी पूजाएँ, भव्य अंगरचना कार्यक्रम
प्रात : 7.30 बजे	:	नास्ता लाभार्थी-मातुश्री श्रीमती हर्षाबेन-प्रशान्तजी, पुत्र : निशांतजी शाह परिवार, कच्छ-मांडवी विल्ला-20
प्रातः 8.00 बजे	:	रथयात्रा-शोभा यात्रा एवं नास्ता-नोर्थ टाऊन बिन्नी, पेरेम्बुर
प्रातः 10.00 बजे	:	धर्मसभा एवं सामूहिक सामायिक - श्री जिनकुशल जिनचंद्रसूरि जैन दादाबाडी में
शाम 7.30 बजे	:	एक शाम प्रभु वीर के नाम मुम्बई के प्रख्यात कलाकारो द्वारा

::: पावन निश्रा :::

प.पू.आ. श्री युगोदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.डॉ. समकित मुनिजी म.सा. आदि ठाणा, प.पू. मुनिराज श्री दीप मुनिजी म.सा. आदि ठाणा,
पू. साध्वीजी श्री सौम्यारत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा * पू. साध्वीजी श्री प्रियाकृपांजना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा
पू.सा. साध्वीजी श्री विज्ञप्तियशाश्रीजी म.सा., पू. साध्वीजी श्री त्तत्वत्रया श्रीजी म.सा. आदि ठाणा * पू. साध्वीजी श्री निखीलगुणाश्रीजी म.सा.
पू. सा. श्री नयदर्शाश्रीजी म सा आदि ठाणा, पू.सा. साध्वीजी श्री रोशनप्रभाश्रीजी म.सा., आदि ठाणा एवं चेन्नई में बिराजीत समस्त श्रमण-श्रमणी भगवंत

::: मुख्य अतिथि :::
श्री लादूलालजी पितलीया
Hon. Member of Legislative Assembly, Raj.

::: अतिथि विशेष :::
श्रीमती दिप्ती किरणजी महेश्वरी
Hon. Member of Legislative Assembly, Raj.

::: अतिथि विशेष :::
श्री कुलदीप कुमारजी जैन
Wing Commander, Indian Air Force

::: अतिथि विशेष :::
श्री अरुणजी बोथरा जैन
IPS, ADG, CIDCB, (Govt. of Odisha)

::: रथ यात्रा नोर्थ टाऊन बिन्नी से श्री राजेशजी जैन रंगीला (काउंसलर) द्वारा झंडा दिखाकर रवाना किया जायेगा । :::

::: सकल श्री संघ नवकारसी लाभार्थी :::
श्री महेन्द्र कुमारजी जैन, डॉ. सरीता जैन
श्री अनुरागजी जैन, श्रीमती गुंजन जैन,श्री वर्धमानजी जैन, श्रीमती राधिका जैन
FIRM : ASIA (CHENNAI) ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.,
Golden Perch, 1st Floor, No.2, Wheat Croft Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034.
Phone : 044 42156601 Email: info.chennai@asiaengg.com

::: रथ यात्रा लाभार्थी :::
श्रीमती नाथीदेवी, श्री कमलकुमारजी, श्रीमती निशी जैन,
पुत्र : अभिषेक, करण, पुत्रवधू : सूरभी, नूपुर
सुपौत्र-सुपौत्री : काव्या, शरण्या, नायरा एवं विहान जैन (टोलिया परिवार)
FIRM : M.L. AUTOMOBILES
No.2, (Old.10), Byramjung Bahadur Lane, General Patters Road, Chennai - 600 002. Mob. : 9092299000 / 98401 70589
FIRM : M.L. AUTOPARTS, Kanchipuram / Vellore

* समूह सामायिक प्रभावना लाभार्थी *
संघवी सुखराजजी समरथमलजी फोला मुथा
Koncept Electric Zone
सायला - चेन्नई
विजयवाडा - मुंबई

* रात्री भक्ति के लाभार्थी *
श्रीमती सूरजदेवी लुकचन्दजी भंसाली उम्मेदाबाद
FUTURA PARTNERS BEYOND LIGHT
Egmore, Chennai - 600 008.

::: मेगा मेडिकल कैम्प लाभार्थी :::
श्री माणकचन्द शांतिदेवी नाहर चैरिटेबल ट्रस्ट
श्री प्रविणकुमारजी, उपध्यानचंदजी, गौतमचंदजी, किशोरकुमारजी,
नविन, संदिप, राहुल नाहर एवं समस्त परिवार, चेन्नई-कोयंबतूर-खजवाना
::: अमलोक निवास :::
नं.48, आदियप्पा नाईकन स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई - 1.

*** दादावाडी की सम्पूर्ण व्यवस्था * श्री तमिलनाड जैन महामंडल, चेन्नई**

* रथ यात्रा व्यवस्था : 'मंडल शिरोमणि' श्री चंद्रप्रभु जैन सेवा मंडल, * महोत्सव में सहयोग * चेन्नई के अनेक सेवा भावी मंडलों द्वारा

कृपया अपने प्रतिष्ठान दि. 10.4.2025 को बंद रखकर शासन की शोभा बढावें ।
विशेष सूचना : शोभा यात्रा के दरम्यान पानी के अलावा कोई पेय पदार्थ न रखें ।

विनित : श्री जैन महासंघ, चेन्नई

II Sri Mahaveeray Namaha II
SHREE JAIN MAHASANGH
(श्री श्वेताम्बर-मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथ एवं दिगंबर जैन समुदाय का संगठन)

Anumodana

* Sri S.S. Jain Sangh, Sowcarpet
* Sri Jain Swetamber Terapanthi Sabha
* Sri Khandelwal Digamber Jain Trust, Kondithope
* Sri Chandraprabhu Jain Naya Mandir Trust, Sowcarpet
* Sri Chandraprabhu Maharaj Jain Juna Mandir Trust, Sowcarpet
* Sri Gujrati Swetamber Murtipujak Jain Sangh
* Sri Rajendrasuriswarjee Jain Trust, Sowcarpet
* Shree Adinath Jain Swetamber Temple Trust, Kesarwadi
* Sri Dharmanath Jain Mandir Trust, Sowcarpet
* Sri Vepery Swetamber Murtipujak Jain Sangh, Vepery
* Sri Kilpuak Swetamber Murtipujak Jain Trust, Kilpauk
* Dadabadi Sri Jinkushalsuriswarji Jinchandrasuriswarji Trust
* Sri Purushadaniya Paraswanath Jain Sangh, Puruswakkam
* Sri Dakshin Pawapuri Tirth (Airport Mandir), Meenambakkam
* Sri Munisuvrat Swami Swetamber Murtipujak Jain Sangh, Oswal Garden
* Sri Sumathi Vallabh North Town Moortipujak Jain Sangh, Binny
* Sri Choolai Jain Sangh, Choolai
* Sri Munisuvrat Swami Jain Sangh, Arihant Vaikunt
* Sri Shantivalb TVH Lumbini Jain Sang
* Sri Vasupujya Jinalaya, Arihant Sivasakthi Apartment, Chennai
* Sri Mahaveer Swami Rajendrasuri Jinalaya, Aryan Lane, Vepery
* Sri Sankalp Jain Swetamber Sangh, KLP Abhinandan
* Sri Bali Jain Seva Mandal, Chennai
* Shashan Samarpita - Kala Shiromani - Sri Rishabh Balika Mandal, Sowcarpet
* Sri Jain Sahayak Samiti, Chennai
* Mandal Shiromani - Sri Chandraprabhu Jain Sewa Mandal, Chennai
* Shashan Seva Ratna - Sri Kalapurna Jain Aradhak Mandal, Sowcarpet
* Sri North Town Residence Owner Association, Binny
* Sri Mahaveer Jinalay Dev Darshan, Kilpauk

:: MAHOTSAV SAHYOGI HARDIK ANUMODANA ::

Sha Pyarelalji Vinodkumarji Pitaliya, Manda
Sha Pannalalji Vaibhavkumarji Singhvi, Anandpur Kalu
Sha Vimalkumarji Chandreshji Subhamji Chippad, Lawa Sardargarh
Smt. Avantika Ben-Praveen Bhai, Preeti , Leena, Jatin Bhai Mehta Pariwar, Juna Disa
Sri. Dulichandji, Lalit, Arun, Sunil, Bagmar, Kosana
Sanghvi Melapchandji Heerachand Jain, Bagra
Sri Shankarlalji Bharat Kumarji Balar, Padru
Sri Bhawarlal & Co., Balwada
M/s. J.G. Group, (Daulatji Jain), Mandawala
Smt. Chanchal Bai Lalith Kumarji Chopada, Bilada
M/s. Pee Pee Appliances Pvt. Ltd., Mandawala
Sha Rikhabchandji Smt.Kamala Kawar Bohra, Kushalpura
Sha Nareshkumarji Chandanmalji Nagotra Solanki, Sheoganj
Smt. Shantidevi Jawarlalji Chandan, Sanchore
Sanghvi Manoribai Kawarlalji Baid, Phalodi
M/s. Mohan Mutha Exports Pvt. Ltd., Mandawala
M/s. Fybros Kundan Group, Mengalva-Chennai-Delhi-Mumbai
Smt. Kamalaji Sajjanrajji, Girishkumarji, Bhupeshji Mehta, Nagaur
Sha Mangilalji Dharmichandji Desharla Family, Ambattur - Barna
M/s. Jain Metal (Sri Shantilalji), Takhatagarh
Smt. Mohinibai S. Devrajji Khanted, Ghanerao
Sanghvi Shanthilalji Pukhrajjii Dantewadia, (SSSS), Mandawala
Sha Motilalji Gautamchandji Lunia, Umedabad
Smt. Kamlabai Prakashchandji Ostwal (Deekay Electricals), Nagaur
Sanghvi Kamlabai Kantilalji Doshi, GT Group, Badgaon
Smt. Kamalabai Parasmalji Srisrimal, (Medi Sales), Jodhpur
Sha Roopchandji Jawerchandji Kothari, Arathwara
M/s. Unique Steel, Sheoganj
Sri. Deepchandji (Papusa) Rahul Lunia, Nokha

II Sri Mahaveeray Namaha II
SHREE JAIN MAHASANGH
(श्री श्वेताम्बर-मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथ एवं दिगंबर जैन समुदाय का संगठन)

:: MAHOSTAV SAHYOGI HARDIK ANUMODANA ::

Sri Mohanlalji Sunilkumarji Dr. Nitesh Kala, Nava
Sri Rajkumarji Lalitkumarji Barjatiya, Nagaur
Smt. Shukhidevi Jugrajji (Kantilalji) Bhandari, Sayala
Sha Tarachandji, Vijaylalji Shripalji Kothari, Lohawat
M/s. Bhagwan Trading Company (Kailashji Kothari), Siyana
Smt. Gissibai Madanlalji Chopra, Bali
Sri. Manakchandji Praveen Kumarji Nahar, Khajwana
Smt. Pistabai Sohanlalji Jhamad, Sojat City
Sri Prakashchandji Rickabchandji Khivesara, Mandani
M/s. Mahaveer Jewellers, Perambur-Pipaliya
Sri. Salerajji Rameshji, Jitendraji, Tarunji Mehta, Jodhpur
Smt. Nirmaladevi Babulalji Munoth, Ramaniya
Sri Devilalji, Kamleshji, Manishji Ranka, Madhavaram
Sri Amarchandji, Dharmichandji, Gautamchandji Kothari, Lambia
Smt. Bilmadevi Jawarilalji Ostwal, Kosana
Sri Dharmichandji Singhvi, T.Nagar, Kushalpura
Sanghvi Bhuribai Uttamchandji Dhar Parmar, Mandawaria
M/s. Metal and Metal Electric Pvt. Ltd., Mengalwa
Sha Nagrajji Chaganlalji Rathod, Bali
Sri Rakeshkumarji, Gauravkumar Kothari, Khawaspura
M/s. K. Hazarimal & Co. (Vijayrajji Bhandari), Jodhpur
Sha Gautamchandji Rikhabhchandji Surana, Jalore
Sri Nemichand Parasmalji Kamdar, Bakra
M/s. Mahipal Stainless (Bipinbhai), Sheoganj
Sha Laxmichandji, Gautamchandji, Bachhawach, Nagaur
Sri Nemichandji, Subhashji, Amitji Chajed, Ayanavaram-Pisaganj
Sha Nathmalji Dharamchandji Nibjiya, Kalandari
Nagar Seth Bhanwarlal Uttamchand Rathod, Ayanavaram
Smt. Shakuntladevi Kantilalji Rathore, Khiwandi
Smt. Mainabai Sajjanrajji Singhvi, Merta City
Smt. Kanchanben Kantilalji Mukesh Shah, Thara
Sri Gyanchandji Rajendrakumarji Nahar, Kuchera
M/s. Srinivas Roadways Pvt. Ltd., Chennai
Sri Kantilalji Amichandji Dheldiya Mutha, Bhawrani
Sri Deepakkumarji Dulichandji Bhandari, Sanchore
Smt. Vimalabai Chhaganlalji Jain, Chennai
Smt. Chandabai Gyanchandji Nimbjiya, Kalandri
Sha Bhogilalji Jasrajji Meri, Padiv
Sanghvi Sarojabai Satishkumarji Kothari, Alwarpet-Beawar
Sri Parasmalji Kundanmalji Dhannasa Parmar, Kawrada
Sri Nemichandji Trilokchandji Jain, Pulu
Sri Kamalabai Amarchandji Bokadia & Sons, Beawar
Sri Madanlalji Chovatiya (Mahavir Mirror), Mandar
M/s. Daddha & Co., Chennai
Sri Rikhabchandji Pawankumarji Khivasara, Babra
Sri Suganchandji Sureshchandji Kothari, Khawaspura
Sri Mahendraji Jain Dhakda, Sikar
Sri Ashokkumarji Gajendraji Singhvi, Rakhiwala
Sri Hirachandji Hastimalji Nagothra Solanki, Balwada
Sri B. Navratnamalji Vikramkumarji Bagmar, Kosana
Sri. Rajendrakumarji Rahulkumarji Patni, Nasirabad
Sri Laleshkumarji Abhishek Kankaria, Jodhpur
Sha Anrajji Ajitkumarji Lodha, Gundoj
M/s. Empire Agencies, Bagri
M/s. Bhavik Upkaran Bhandar, Sowcarpet, Chennai
Sha Lalchandji Mehta, (Mehta Jewels), Chennai
M/s. My Fair Tour & Travels, Chennai
Sri S. Gautamchandji Navneet Amit Darsh Kankaria, Jodhpur
Sri Sumermalji Sureshkumarji Lunawat, Kalu
M/s. J.B. Traders, Saroj Kumarji, Merta City
Smt. Bhagyawantidevi Bhanwarlalji Bagrecha, (BMW), Debawas
Sri Ukchandji Surtanmalji, (Gujrat Opticals), Mandawala
Smt. Sangeetaji Ashokkumarji Badjatia, Nagaur
Smt. Devubai Madanlalji Gundecha, Thur
Sri Anopchandji Navinji Vikashji Bhidkcha, Deh
Sri Mahaveer Woods & Veneer, Choolai-Chennai
Sri Gautamchandji Vinod Pramod Pokarna, Ambattur-Sandia
Sri Tarachandji Padamji Rameshji Duggar, Chennai
Sanghvi Tejrajji Bhurmalji Kothari (Royal Food Product) Badgaon
M/s. S. Chandanmalji Mutha, Elana
Sri Sohanlalji Prakashchandji Kochar, Khichan
Sri Mahaveerji Rohitkumarji Kumbhat, Kuchera
Sri Ugamrajji Vimalji Kamalji Sand, Padu
Sri Madanlalji Bagrecha & Sons, Salawas
Sha Tarachand Parasmal Chaudhary Jain Charitable Trust, Jodhpur
M/s. Hastimal & Co., Babagaon
Smt. Chandabai Kishanlalji Sancheti, Khod
M/s. Parshvi Jewellers, Sowcarpet-Chennai
M/s. Varun Stainless Steel, Sheoganj
Sha Lalchandji Bhimrajji Bhandari, Sadri
M/s. Moti Pipes, Chennai
Sri Surajdhoka and Associates (C.A.), Sowcarpet-Chennai
Sanghvi Kanehyalalji Subhashji Nareshji Ranka, Jaitaran
Sri Sohanlalji Ajitkumarji Rajkumarji Lunawat, Nagaur
Sanghvi Smt. Shantaben Mangalchandji Sirohia, Posaliya
Smt. Pista Devi Dharmichandji Phoolfagar, Jaitaran
Sri Sugalchandji Prasanchandji Singhvi, Siyat
M/s. R.K. Stainless Steel, Tawao
Sanghvi Dhanrajji Sayerbai Lilabai, Ghanerao
Seth Bhawanlalji Ajitkumarji Gothi, Beawar
Sanghvi Gunvantibai Mohanlalji Gadiya, Chennai Electricals
Smt. Gajrabai 'Janunda Ratna' Kewalchandji Rathore, Janunda
Sri Ratanchandji Manoharmalji Gothi, Dhobipet, Jasnagar
Sanghvi Gautamchandji Praveenji Nahar, (H.P), Kuchera
Smt. Kamalabai Kundanmalji Chopra (Rajeshji), Bali
M/s. Tamil Nadu Fancy Store (Rameshji), Bali
Sri Mohanlalji Sureshji Abhayaji Moksh Kankariya, Jodhapur
Sri Nemichandji Rajeshji Kataria Sanghvi, Padaru
Sri Bharatkumarji Javerchandji Mardia, Sirohi
Smt. Mansibai Chhogmalji Amit Bafna, Sirohi
Sri Mithalalji Vijayrajji Jain, Bagra
Smt. Champabai Mohanrajji Rathore, Puliyanthope
Sanghvi Prakashbai Kantilalji Marlecha, Kharla
Smt. Shantibai Devichandji Bandamutha IPS Pariwar, Posaliya
Sri Mahavirchandji Amarchandji Sisodia, Indawad
M/s. Navkar Construction, Kailashnagar-Chennai
M/s. Nakoda Bhairav Trust (Surendraji Bothra), Nagaur
Sha Phukhrajji Badola & Sons, Beawar
Sri Hastimalji Pravinkumarji Bhandari, Javaja
Sha Mafatlalji Kundanmalji Jain, Sanchore
Sha Sajjanlalji Kishanlalji Marlecha, Chennai
M/s. Sangeeta Jewellers, Adyar
Smt. Sunitha Ben Naresh Bhai Sha, Ratilal Sha, Palanpur
Sha Lalithkumarji Hastimalji Khanter, Ayanavaram, Guda Endala

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.